ISSN 2349-6614

फरवरी 2022

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

नवजीवन का संगीत बहा
पुलकों से भर आया दिगंत।
मेरी स्वप्नों की निधि अनंत
मैं ऋतुओं में

न्यारा बसंत

प्रकाशन का तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 19 अंक 10, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2021-23 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur

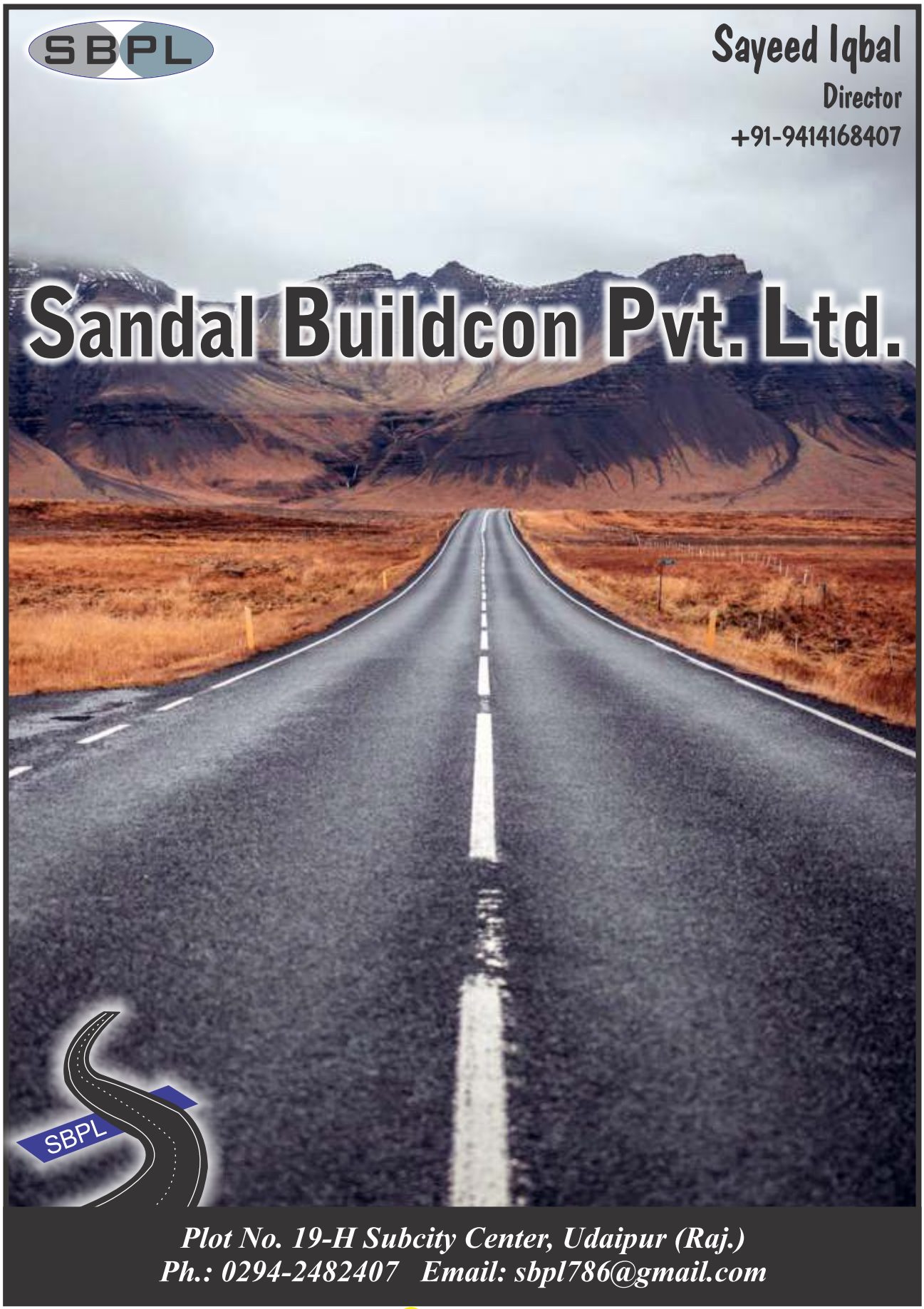
SBPL
Sayeed Iqbal
Director
+91-9414168407
Sandal Buildcon Pvt. Ltd.
SBPL
Plot No. 19-H Subcity Center, Udaipur (Raj.)
Ph.: 0294-2482407 Email: sbpl786@gmail.com

फरवरी 2022 वर्ष 19, अंक 10

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

अंदर के पृष्ठों पर...

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स Supreme Designs
विकास सुहालका

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डागी
कुलदीप इन्दौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत,
ललित कुमावत

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका

प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

सम-सामयिक

सियासत तस्वीर बदल पाएगा 2022?
06

सम-सामयिक

ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण
10

खेल-खिलाड़ी
कप्तानी से विराट का विराम
16

रणबांकुरे

नहीं टूट रहा इन घरानों की जीत का तिलिस्म
12

बॉलीवुड

बड़े सितारों की बड़ी फिल्में
30

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

Sandeep
Director
94142 45355

Kapil, Director, 77377 07447

D.S. Paneri
Director
92146 88612

Sleepwell

Quality in Reasonable Price

All Kind of Home Furniture

शुभम फर्नीचर प्लाजा

An ISO 9001-2008 Certified Co.

Tekri Madri Main Road, Near 100 Fit Subcity Centre Road, Udaipur (Raj.)
E-mail: shubham.furnitureplaza@gmail.com

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ

भारत टेंकर ट्रांसपोर्ट कम्पनी

प्रोपराईटर : पंडित लक्ष्मीनारायण गौड़

पण्डित एण्ड संस कोन्ट्रेक्टर्स

सभी प्रकार के एसिड व केमीकल के ट्रांसपोर्टेशन का कार्य टेंकरों द्वारा समस्त भारत में करते हैं।
भारी मशीनरी व एक्सीडेन्टल गाड़ियों को उठाने के लिये क्रेनें हर समय उपलब्ध रहती हैं।
हैवी अर्थमूविंग मशीनें (टाटा-हिटाची, एल. एण्ड टी.-सी.के.-90, पोकलेन, डोजर, डम्पर) किराये पर उपलब्ध हैं।

35–ए, सेन्ट्रल एरिया, आवरी माता मंदिर के सामने, उदयपुर (राज.)
दूरभाष : 2584501, 2583334 (ऑ.) 2584502 (नि.) केबल : पंडित जी

ब्रांच : बडौदा, वापी, अंकलेश्वर

सहन नहीं हो रही महंगाई की मार

अर्थशास्त्र की भाषा में, खासतौर से विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए महंगाई को अच्छा माना जाता है, बशर्ते यह मांग आधारित हो। मांग बढ़ने का अर्थ होता है कि लोगों के पास कमाई है और वे अधिक उपभोग कर रहे हैं। लेकिन जब उपभोग घट चुका हो, महंगाई फिर भी बढ़ रही हो और यह स्थिति अधिक समय तक टिकी रह जाए तो एक आत्मघाती परिस्थिति पैदा होने लगती है। देश कमोबेश इसी दौर से गुजर रहा है।

महंगाई बाजार का ऐसा गुणधर्म है जिसका असर कमाई के रूख पर निर्भर होता है। कमाई अनुकूल हो तो महंगाई लोगों को निगल नहीं पाती। लेकिन जब कमाई घटने लगे तो महंगाई अपना हिंसक रूप दिखाने से भी नहीं चूकती। हिंसा भी ऐसी कि आम आदमी घुट-घुट कर मरता है। देश में कमोबेश आज यही स्थिति है। महंगाई के विपरीत कमाई का रूख अधोमुखी है। अर्थशास्त्र का यह सामान्य नियम है कि जब बाजार में मांग होती है, तब महंगाई बढ़ती है। पर मांग न होने के बावजूद यदि कीमतें आसमान छू रहीं हों, तो उसकी एक बड़ी वजह तंत्र की ही जाती है और यदि मंशा कीमतें बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को संभालना हो तो चढ़ती महंगाई मांग कम कर देती है, जिससे अर्थव्यवस्था का नुकसान ही होता है। कोरोना से लगभग ध्वस्त हो चुके भारतीय बाजार की मांग काफी कम हो गई है, फिर भी यह बेहिसाब महंगाई से जूझ रहा है। खाने के तेल से लेकर दाल, सब्जियां, रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल, दूध जैसी रोजमर्रा की तमाम चीजें आसमान छू रही हैं। सबसे ज्यादा मार असंगठित क्षेत्र पर पड़ी है, जिसमें शामिल लोगों की हिस्सेदारी भारतीय श्रम बल में लगभग 94 प्रतिशत है।

पिछले दो साल से आम लोगों के लिए आसान जीवन जीना चुनौती सा बना हुआ है। कोरोना महामारी की दो लहरों के बाद अब तीसरी लहर पीक की ओर बढ़ रही है। देश में संक्रमितों की बढ़ती संख्या से चिंतित लोग अब फिर महंगाई की नई मार से दुखी हैं। दिसम्बर 21 में खुदरा महंगाई दर 5.59 फीसदी तक पहुंच गई थी, जो पिछले छह महीने के उच्चतम स्तर पर थी। नवम्बर 21 में जबकि यह 4.91 फीसदी के स्तर पर थी। जुलाई 2021 में भी महंगाई दर 5.59 फीसदी दर्ज हुई थी। खुदरा महंगाई का सबसे ज्यादा असर गरीबों, बेरोजगार लोगों व सामान्य मध्यम वर्ग पर पड़ता है। खाद्य पदार्थों की चीजों की बढ़ती कीमतों के कारण यह तेजी आई है। खाद्य तेलों की कीमतों में तेजी की वजह से खाना, स्नैक्स व मिठाइयां महंगी हो गई हैं। चीनी, फल-सब्जियां व मसालों के साथ ही दूध, दुग्ध उत्पाद, दालों की कीमतें भी चढ़ गई हैं। कपड़ा, जूते, ईंधन व बिजली भी महंगाई को बढ़ाने का कारण बनी हुई है। महंगाई बढ़ने के साथ-साथ औद्योगिक उत्पादन का घटना भी चिंता बढ़ा रहा है।

कोरोना की पहली और दूसरी लहर के सामान्य होने के बाद जो प्रवासी मजदूर अपने शहर-गांवों की ओर लौट गए थे, वे अब तीसरी लहर के खतरे को भांप कर कुछ दिनों के लिए फिर से मजदूरी का जुगाड़ कर वापस पलायन करने लगे हैं। कोरोना की वजह से लाखों लोग अभी भी बेरोजगार बने हुए हैं और लोगों की आय और खर्च का संतुलन इस कदर बिगड़ता जा रहा है कि संभलना मुश्किल हो रहा है।

केन्द्र व राज्य सरकारों की ओर से नए वित्त वर्ष के बजट प्रस्तुतिकरण का समय निकट है, उन्हें महंगाई की मार से आम आदमी को बचाने के लिए जुगत करनी होगी। सबसे जरूरी ईंधन और खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी करना है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दैनिक संशोधन की दैनिक मूल्यांकन व्यवस्था जब 16 जून 2017 को लागू हुई थी, तब सरकार की ओर से कहा गया था कि वह अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में होने वाले हरेक मामूली बदलाव का लाभ आम उपभोक्ताओं को देना चाहती है, लेकिन तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में आई भारी गिरावट का लाभ उपभोक्ताओं को कभी नहीं मिला, अलबत्ता हर मामूली वृद्धि का भार उपभोक्ताओं को वहन करना पड़ा। सरकार अपने ही वादे मुकर गई और उत्पाद शुल्क बढ़ाकर जनता के हिस्से का पूरा लाभ अपनी जेब में ही ठूंसती रही। इस शुल्क को बाद में वापस लेने की बात थी, लेकिन बेतहाशा महंगाई और बेरोजगारी के बावजूद अभी तक यह नहीं हुआ है। आज पेट्रोल डीजल सौ रूपए लीटर से ऊपर बिक रहा है। सरसों तेल दो सौ रुपए लीटर हो गया है। रसोई गैस सिलेंडर नौ सौ रुपए के पार पहुंच गया है। सड़क से रसोई तक आम उपभोक्ता महंगाई की लपट में झुलस रहा है। जिसे बचाने के लिए केन्द्र व राज्य सरकारों को अपने-अपने बजट में पहल करनी ही होगी।

सियासी तस्वीर बदल पाएगा 2022?

नरेन्द्र नाथ

एक और साल बीत गया। नया साल नई उम्मीदों और चुनौतियों को लेकर आया है। पिछली कुछ घटनाएं देखें तो समझ में आता है कि साल 2022 में पक्ष और विपक्ष को न सिर्फ बड़े मौके मिलने हैं, बल्कि बड़ी चुनौतियां भी मिलने जा रही हैं। साल 2022 को साल 2024 के महामुकाबले से पहले सेमीफाइनल का साल भी कह सकते हैं। ऐसे में भाजपा को सरकार और पार्टी के स्तर पर बाधाओं से पार पाना होगा तो विपक्ष को अपने मसले निपटाकर मौकों को लपकना होगा।

यह साल सत्तारूढ़ भाजपा के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण हो सकता है। साल 2014 के बाद कुछ सालों तक गवर्नेंस के स्तर पर भले चुनौतियां आती रही हैं लेकिन राजनीतिक जमीन पर पार्टी धुंआधार बैटिंग करती रही। लेकिन पिछले कुछ सालों में राज्यों में पार्टी का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। इस वर्ष पार्टी इस ट्रेंड को पलटना चाहेगी। उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा में 10 फरवरी से चुनाव शुरू होने हैं तो हिमाचल प्रदेश और गुजरात में साल के आखिर में। वहीं साल के अंत तक कर्नाटक विधानसभा चुनाव की भी पृष्ठभूमि तैयार हो जाएगी। इनमें छह राज्यों में अभी भाजपा की सरकार है। इन राज्यों में अगर भाजपा की पकड़ कमजोर हुई तो पार्टी और केन्द्र सरकार के लिए आगे की राह बेहद कठिन हो जाएगी।

पहले ही पार्टी के हाथ से कई अहम राज्य निकल चुके हैं। इसका असर इसी साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव पर भी पड़ेगा। राष्ट्रपति चुनाव में अपनी पसंद के उम्मीदवार के चयन के लिए भाजपा को पांच राज्यों के चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। साथ ही राज्यसभा में मजबूती बनाए रखने के हिसाब से भी भाजपा को विधानसभा चुनाव में कमजोर प्रदर्शन के ट्रेंड को बदलना होगा। 2024 के आमचुनाव से पहले केन्द्र में भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए सरकार कुछ अहम बिल पास कराना चाहेगी। उल्लेखनीय है कि 2019 के आम चुनाव में नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में भाजपा को चुनावी अभियान में तमाम राज्यों में उनकी सरकार होने का लाभ मिला था।

मगर 2019 के बाद से भाजपा महाराष्ट्र, झारखंड जैसे राज्यों में सत्ता गंवा चुकी है। हरियाणा में भले पार्टी ने सरकार बनाई, लेकिन बहुमत से दूर रही। पश्चिम बंगाल चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन लोकसभा चुनाव से भी कमजोर रहा। साथ ही पार्टी के लिए राज्यों के स्तर पर पिछले साल परेशानी उभरने के संकेत दिखे। पार्टी को कर्नाटक, उत्तराखंड में सीएम बदलने

पांच राज्यों में चुनाव

यूपी में 10 फरवरी से सात चरणों में मतदान
10 मार्च फैसले का दिन

महिला स्पेशलः हर क्षेत्र में कम से कम एक मतदान केन्द्र की व्यवस्था सिर्फ महिलाएं संभालेंगी
अपराधियों से मुक्तिः उम्मीदवार को आपराधिक केस की जानकारी 3 बार अखबारों में प्रकाशित करानी होगी

पंजाब
चरण : एक
वोटिंग : 20 फरवरी
सीट : 117
बहुमत : 59
वर्तमान सरकार कांग्रेस

गोवा
चरण : एक
वोटिंग : 14 फरवरी
सीट : 40
बहुमत : 21
वर्तमान सरकार : भाजपा

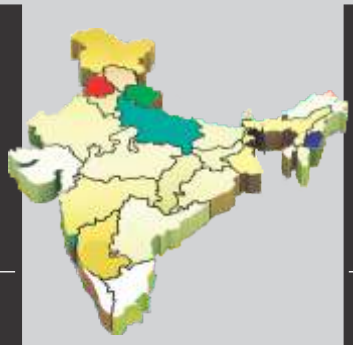

मणिपुर
चरण : दो
वोटिंग : 27 फरवरी, 3 मार्च
सीट 60 बहुमत : 31
वर्तमान सरकार भाजपा

उत्तरप्रदेश
चरण : सात
वोटिंग : फरवरी 10, 14, 20, 23, 27, मार्च 3, 7
सीट : 403
बहुमत : 202
वर्तमान सरकार भाजपा

उत्तराखंड
चरण : एक
वोटिंग : 14 फरवरी
सीट 70
बहुमत 36
वर्तमान सरकार भाजपा

पड़े तो राजस्थान में गुटबाजी दिखी। इन मोर्चों पर भी भाजपा के लिए हालात को ट्रैक पर लाने की चुनौतियां होगी। लेकिन सबसे बड़ी चुनौती गवर्नेंस के स्तर पर है। 2020 की शुरूआत में आई कोविड महामारी का साया हटने का नाम नहीं ले रहा है। साल की शुरुआत ही कोविड की तीसरी लहर से हुई है। कोविड ने पहले ही आर्थिक प्रगति पर तगड़ा ब्रेक लगा दिया था। ऐसे में जब सरकार रिकवरी की अपेक्षा कर रही है, तीसरी लहर ने चिंता बढ़ा दी है। यही साल सरकार के लिए पिछले सात सालों में सबसे कठिन साल हो सकता है। साथ ही सरकार के कई अहम आर्थिक सुधार के प्रस्तावों पर अभी से टकराव के संकेत दिख रहे हैं। कृषि कानून पहले ही वापस हो चुके हैं।

लेबर कोड और बैंकों के निजीकरण पर अभी से विवाद सामने आने लगे हैं। सरकार इन मसलों पर किस तरह से आगे बढ़ती है, यह देखना दिलचस्प होगा। नया बजट भी हाल के सालों का सबसे अहम बजट होगा। 2019 के बाद से केन्द्र सरकार लगातार किसी न किसी टकराव में उलझी हुई है। ऐसे में वह चाहेगी कि 2022 का साल ऐसे आंदोलनों से उसे बचाए रखे।

पिछला साल कांग्रेस और बाकी विपक्षी दलों के लिए भी बहुत ही उतार-चढ़ाव भरा रहा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जीत के बाद ऐसा लगा कि विपक्षी एकता इसी साल परवान चढ़ जाएगी, लेकिन हुआ ठीक उलटा। साल का अंत आते-आते विपक्ष पूरी तरह से न सिर्फ बिखर गया बल्कि आपस में उलझ गया। अब साल के अंत में एक बार फिर नरम रूख दिख रहा है। लेकिन यह किस दिशा में जाएगा, इसका ठीक-ठीक पता अगले दिनों में चलेगा। यह साल विपक्षी दलों की दशा-दिशा दोनों तय करेगा। वहीं कांग्रेस के लिए भी यह साल करो या मरो वाला साबित हो सकता है।

लगातार मिली चुनावी हार के बाद कांग्रेस पिछले साल बगावत के बवंडर से गुजरती रही। 2019 से ही पार्टी बिना पूर्णकालिक अध्यक्ष के भी है। कांग्रेस ने यह कहकर अब तक बड़ी बगावत को टाल दिया कि सितंबर 22 से पहले अध्यक्ष के चुनाव सहित सारे लंबित फैसले ले लिए जाएंगे। पार्टी खासकर गांधी परिवार को पता है कि फैसला लेने के लिए काउंटडाउन शुरू हो चुका है और यह वर्ष चीजों को पटरी पर लाने का उनके पास अंतिम मौका होगा।

इस लिहाज से कांग्रेस के लिए यह वर्ष पिछले कई सालों में सबसे सक्रिय घटनाक्रम से भरा रहा सकता है। तय कार्यक्रम के अनुसार पार्टी में जून में नए अध्यक्ष का चुनाव होना है। यह साल तय करेगा कि कांग्रेस पर गांधी परिवार की पकड़ कमजोर हुई है या अभी पार्टी उनके नियंत्रण में ही है। कांग्रेस की दशा पर सिर्फ पार्टी के अंदर ही नजर नहीं रहेगी बल्कि उन दलों के नेताओं की भी नजदीकी नजर होगी, जो विपक्ष के स्पेस में अधिक से अधिक हिस्सा लेने की कोशिश में लगे हैं। इनमें दो नाम सबसे अहम हैं ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल। साल के शुरू में ही इनकी सियासी हसरतों का भी परिणाम दिखने लगेगा। आम आदमी पार्टी इस बार पंजाब के अलावा गोवा और उत्तराखंड में पूरी ताकत से उतरी है तो टीएमसी गोवा में पहली बार चुनाव लड़ रही है। अगर इन दोनों दलों ने अपने मूल राज्य से बाहर निकलकर छाप छोड़ दी तो विपक्षी स्पेस में उठापटक और तेज हो जाएगी। इसके अलावा अखिलेश यादव, मायावती जैसे नेताओं के लिए भी यह साल आगे की दिशा तय करने वाला होगा।

निःशुल्क नेत्र सेवा प्रकल्प

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सोमवार से शनिवार

तारा संस्थान

के नेत्र चिकित्सालय तारा नेत्रालय में निःशुल्क

PHACO पद्धति द्वारा मोतियाबिन्द ऑपरेशन,

नेत्र परीक्षण एवं लेन्स प्रत्यारोपण तथा चश्मे के नम्बर

236, सेक्टर 6, हिरण मगरी (जे.बी. हॉस्पीटल के पास वाली गली),

उदयपुर-313002 (राज.) भारत (+91) 9549399993, 9649399993

ब्रह्माण्ड की जीवनी शक्ति 'श्री'

सुविख्यात 'श्रीयंत्र' भगवती त्रिपुर सुंदरी का यंत्र है। इसे यंत्रराज भी कहा गया है। इसमें सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति तथा विकास का दर्शन है। यह मानव शरीर का भी द्योतक है। आर्थिक उन्नति तथा भौतिक सुख-सम्पदा के लिए इसे सर्वश्रेष्ठ माना गया है। 'श्रीयंत्र' में कई सिद्धियों का वास है।

कमला प्रसाद पटवा

संस्कृत व्याकरण के मुताबिक 'श्री' शब्द के तीन अर्थ हैं: शोभा, लक्ष्मी और कांति। तीनों ही प्रसंग और संदर्भ के मुताबिक अलग-अलग अर्थों में इस्तेमाल होते हैं। श्री शब्द का सबसे पहले ऋग्वेद में उल्लेख मिलता है। तमाम ग्रंथों में लिखा गया है कि श्री शक्ति है। जिस व्यक्ति में विकास और खोज करने की शक्ति है, वह श्री युक्त माना जाता है। ईश्वर, महापुरुषों, वैज्ञानिकों, तत्ववेत्ताओं, धन्नसेठों, शब्द शिल्पियों और ऋषि मुनियों के नाम के आगे श्री शब्द का अमूमन इस्तेमाल करने की परंपरा रही है। राम को जब श्रीराम कहा जाता है, तब राम शब्द में ईश्वरत्व का बोध होता है। इसी तरह श्रीकृष्ण, श्रीलक्ष्मी और श्रीविष्णु तथा श्री अरविंद के नाम में श्री शब्द उनके व्यक्तित्व, कार्य, महानता और अलौकिकता को प्रकट करता है।

मौजूदा वक्त में अपने बड़ों के नाम के आगे श्री लगाना एक सामान्य शिष्टाचार है। लेकिन श्री शब्द इतना संकीर्ण नहीं है कि प्रत्येक नाम के आगे उसे लगाया जाए। असल में तो श्री पूरे ब्रह्माण्ड की प्राण शक्ति है। ईश्वर ने सृष्टि रचना इसलिए की, क्योंकि ईश्वर श्री से ओतप्रोत है। परमात्मा को वेद में अनंत श्री वाला कहा गया है। मनुष्य अनंत-धर्मा नहीं है, इसलिए वह असंख्य श्री वाला तो नहीं हो सकता है, लेकिन पुरुषार्थ से ऐश्वर्य हासिल करके वह श्रीमान बन सकता है। सच तो यह है कि जो पुरुषार्थ नहीं करता, वह श्रीमान कहलाने का भी अधिकारी नहीं है।

दुनिया में उत्पादन, निर्माण, संसाधन, शक्ति, बल, तेज और सेवा आदि जितने भी कार्य हैं, सभी में श्री की उपस्थिति रहती है। सूर्य, चन्द्रमा, धरती की गति, समयचक्र, प्राण-शक्ति और आत्मशक्ति में श्री का वजूद है। प्रलय और सृष्टि दोनों श्री की वजह से होते हैं। श्री ऐसी अद्‌भुत शक्ति है जिसे सुर, असुर, मानव, किन्नर और सम्राट अपने तप बल से हासिल कर सकते हैं। परमात्मा में जो श्री शक्ति है, उसकी यह शक्ति ही दुर्गा के विभिन्न रूपों, सीता, पार्वती, रूक्मिणी, लक्ष्मी और देवयानी के रूप में अवतार लेती रही है। इनकी शक्ति का लोहा ब्रह्मा, विष्णु और महेश ये त्रिदेव भी मानते रहे हैं। इसलिए जब-जब राक्षसों को हराने में देवता असफल साबित हुए, उन्होंने श्री को हासिल किया और तब वे दानवों को हरा पाए।

आज भी दुनिया में श्री हासिल करने की होड़ लगी हुई है, परंतु उसका इस्तेमाल सृजन और विध्वंस, दोनों में किया जा रहा है। विध्वंस में श्री का इस्तेमाल समाज के पतन का द्योतक है। हमारे समाज में स्त्रियों के सम्मान का कम होना भी इसी बात का प्रतीक है कि श्री की उपेक्षा हो रही है। ध्यान रहे कि स्त्री की जितनी शक्तियां हैं, वे सभी श्री से ओत-प्रोत हैं। इसलिए जिस घर में स्त्री का सम्मान, आदर, सेवा और स्वागत किया जाता है, वह घर लक्ष्मी युक्त और शोभायुक्त बन जाता है।

समाज में आज चारों तरफ जो कलह, झगड़ा-फसाद, हिंसा और नफरत का माहौल है, वह श्री का उचित सम्मान और सही इस्तेमाल न होने की वजह से ही है। देश व समाज में जो गैर बराबरी बढ़ रही है, उसकी वजह भी श्री का ठीक वितरण न होना है। इसलिए हर स्तर पर पवित्रता की जरूरत है। धन भी श्री की शक्ति है। यदि इसे पवित्रता, मेहनत और सच्चाई से हासिल नहीं किया जाएगा, तो व्यक्ति शारीरिक मानसिक, आत्मिक रूप से दूषित होगा ही, समाज और देश का विकास भी हर स्तर पर रूकेगा।

यदि हमारे सभी अंग, इंद्रिया, मन बुद्धि और आत्मा स्वच्छ है, तो श्री हमारे विकास को उच्चतम शीर्ष प्रदान करेगी। इसलिए संध्यावंदन करते वक्त परमात्मा से भी इंद्रियों और अंगों को स्वस्थ रखने और शक्ति देने की हम प्रार्थना करते हैं। हमारी विचार शक्ति को पवित्रता, कांति और गहराई श्री की कृपा से ही संभव है। इसलिए हमारे कर्म, व्यवहार चिंतन और साधना में सावधानी रहनी चाहिए। जो इन बातों का ध्यान रखता है, वह दुनिया में महापुरुष के रूप में पूजा जाता है। परमात्मा में श्री ऐश्वर्य, धर्म, ज्ञान, यश और वैराग्य है। इसलिए वह सृष्टि की सर्वशक्तिमान सत्ता है। इस सत्ता को जो सम्मान और आदर देता है वह सदैव दुनिया में आदर पाता है।

सरस
अजमेर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि., अजमेर
(ISO 22000:2005 प्रमाणित संगठन)
सरस डेयरी की सरस आईसक्रीम
प्रारम्भ
अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान
विविधता में एकता की शान,
हमारा गणतंत्र हमारा अभिमान
सरस फ्लेवर्ड मिल्क
200 एम.एल. पी.पी. बोतल में उपलब्ध
चॉकलेट
मैंगो
स्ट्रॉबेरी
केसर
रोज़
इलाइची
हापुस मैंगो
73 गणतंत्र दिवस
बटर स्कोच, केसर पिस्ता, काजू द्राक्ष, चॉकलेट, वनीला, स्ट्रॉबेरी फ्लेवर्स
कोन आईसक्रीम, बटर स्कोच, चॉकलेट, वनीला, स्ट्रॉबेरी फ्लेवर्स
कैंडी चॉकलेट मैंगो, ऑरेंज, रोज़
आईसक्रीम ब्रिक फैमिली पैक, वनीला केसर पिस्ता, स्ट्रॉबेरी, बटर स्कोच फ्लेवर्स
विभिन्न आस्थाओं, धर्मों और संस्कृतियों को साथ लेकर चलने वाले
हमारे गणतंत्र दिवस की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
हमारे लोकप्रिय यशस्वी मुख्यमंत्री महोदय द्वारा 3 वर्षों में दुग्ध उत्पादकों को
मुख्यमंत्री संबल योजना के अन्तर्गत 2/- प्रति लीटर अनुदान देने पर आभार
• प्रत्येक ग्राम पंचायत में पशु चिकित्सा केन्द्र संचालित किए जाने पर आभार। • प्रत्येक ग्राम पंचायत में पशु चिकित्सक एवं कम्पाउण्डर नियुक्त किए जाने पर आभार।
• राज्य के पशुओं हेतु FMD Tagging, सैक्स-सेग्रीगेटेड सीमन एवं पशु बीमा योजना लागू करवाए जाने हेतु आभार।
• अब तक 21 लाख किसानों का लगभग 15000 करोड़ रुपये का ऋण माफ करने के लिए आभार।
• कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए शीघ्र एवं उचित कदम उठाने पर हार्दिक आभार।
• राजस्व विभाग द्वारा चलाये जा रहे प्रशासन गांवों के संग अभियान द्वारा लाखों किसान लाभान्वित करने पर आभार।
• ग्रामीण जल योजना के अन्तर्गत 2024 तक प्रत्येक घर में नल कनेक्शन उपलब्ध करवाने का संकल्प।
अजमेर सरस डेयरी के 13 देशों से आयातित आधुनिक तकनीक के समावेश से निर्मित संयंत्र द्वारा उत्पादित विश्व स्तर के दूध व दुग्ध उत्पाद
दुग्ध उत्पादकों से निवेदन है कि सहकारिता क्षेत्र में आपके अपने क्षेत्र से अजमेर दुग्ध संघ में अधिक से अधिक दुग्ध देकर लाभान्वित होंवे।
मटका दही 5 कि.ग्रा.
पैक्ड पॉश्च्युराईज्ड सरस दूध की किस्में
डबल टोण्ड
टोण्ड
स्टेण्डर्ड
गोल्ड
टी स्पेशल
200 मि.ली. 1/2 लीटर, 1 लीटर एवं 6 लीटर पैकिंग में उपलब्ध
सरस कॉग्युलेटेड एवं खोया उत्पाद
पनीर 200 ग्राम एवं 1 कि.ग्रा.
फीका मावा 200 ग्राम एवं 1 कि.ग्रा.
बर्फी 250 ग्राम एवं 500 ग्राम
पेडा 250 ग्राम एवं 500 ग्राम पैकिंग में उपलब्ध
सरस फरमेन्टेड (जावण) दुग्ध उत्पाद
सादा छाछ 500 मि.ली.
नमकीन छाछ 200 मि.ली.
लस्सी 200 मि.ली.
दही (कप) 200 ग्राम पैकिंग में उपलब्ध
दही (पाउच) 500 ग्राम
श्री खण्ड 100 ग्राम/500 ग्राम
सरस दीर्घावधि उत्पाद
बटर - 100 ग्राम, 500 ग्राम
सरस दुग्ध पाउडर
1/2 लीटर, 1 लीटर पॉलीपैक, 5 लीटर टिन, 15 कि.ग्रा. टिन पैकिंग
सरस घी
रामचन्द्र चौधरी
उमेश चन्द्र व्यास
विशेष निवेदन
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण

क्षेत्रीय सुरक्षा देने और बाजार बनाने में जुटा भारत

20 जनवरी को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के दूसरे संस्करण सफल परीक्षण

05 अरब डालर के रक्षा निर्यात का लक्ष्य निर्धारित 2025 तक

2.8 मैक की स्पीड से वार करने में सक्षम

नंद किशोर

खुद को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अहम क्षेत्रीय सुरक्षा प्रदाता के तौर पर स्थापित करने और एक रक्षा निर्यातक के तौर पर विश्वसनीयता बनाने के लिए भारत ने अपनी महत्वाकांक्षी ब्रह्मोस परियोजना को जरिया बनाया है। ब्रह्मोस की अत्याधुनिक और शक्तिशाली क्षमताएं न केवल भारतीय सेना को ताकत देती हैं बल्कि अन्य देशों के लिए भी इसे बेहद वांछित उत्पाद बनाती है। भारत ने इससे 2025 तक पांच अरब डालर के रक्षा निर्यात का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके साथ ही भारत की हैसियत एक क्षेत्रीय ताकत के रूप में बढ़ेगी। वियतनाम, फिलीपींस, इंडोनेशिया, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात, अर्जेंटीना, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका ने इस मिसाइल प्रणाली को खरीदने में रूचि दिखाई है। हाल के दिनों में इन देशों से ब्रह्मोस प्रणाली को लेकर रक्षा करार पर दस्तखत किए गए हैं। आने वाले दिनों में कई और देशों के साथ ऐसे करार होने हैं। भारतीय नौसेना के आइएनएस विशाखापत्तनम युद्धपोत से 11 जनवरी को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के सफल परीक्षण के बाद 20 जनवरी को इसके नए संस्करण का भी सफल परीक्षण कर लिया गया। डीआरडीओ के अनुसार मिसाइल ने निर्धारित लक्ष्य जहाज पर सटीक निशाना लगाया।

कीमत और ताकत

ब्रह्मोस के एक रेजिमेंट की खरीद पर करीब 27.5 करोड़ डालर यानी करीब 2000 करोड़ रुपए का खर्च आता है। एक रेजिमेंट में एक मोबाइल कमान पोस्ट, चार मिसाइल लांचर, कई मिसाल कैरियर और 90 मिसाइलें शामिल होती हैं। भारत ने वियतनाम और फिलीपींस को क्रमशः 50 करोड़ डालर और 10 करोड़ डालर के उधार का प्रस्ताव दिया है। वहीं फिलीपींस ब्रह्मोस की कम मात्रा (केवल एक बैटरी, जिसमें तीन मिसाइल लांचर और 2–3 मिसाइलें हो) खरीदने के बारे में विचार कर रहा है। भारत अपने अन्य घरेलू रक्षा उत्पादों जैसे आकाश हवाई रक्षा प्रणाली, हवा से हवा में मार करने वाली एस्ट्रा मिसाइल, एचएएल के ध्रुव हेलीकॉप्टर को निर्यात के लिए बाजार में उतारना चाहता है।

ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल के शोध और विकास का काम ब्रह्मोस एअरोस्पेस लिमिटेड करता है, जो भारत के रक्षा अनुसंधान और शोध संगठन (डीआरडीओ) और रूस के एनपीओ मैशिनोस्त्रोयेनिया (एन पीओएम) का एक संयुक्त उपक्रम है। यह पहली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जिसे भारतीय सेना इस्तेमाल करती है। यह 2.8 मैक की स्पीड (ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना) से वार करने में सक्षम है। इसका रेंज कम से कम 290 किलोमीटर है। इस वेग से वार करने की क्षमता का मतलब है कि ब्रह्मोस जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइलों से युक्त किसी हवाई सुरक्षा प्रणाली की पकड़ में नहीं आएगा, जबकि उसके (ब्रह्मोस) के लिए चीन के जे20 जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों (जिनकी रफ्तार

2.0 मैक से कम है) को मार गिराना आसान है।

अगले संस्करणों में मिसाइल की रफ्तार और दायरा बढ़ाने की योजना है। इसकी रफ्तार 5.0 मैक के बराबर या उससे अधिक और रेंज 1500 किलोमीटर करने का लक्ष्य तय किया गया है। पहले ही ब्रह्मोस के नौसैनिक और थल सैनिक संस्करण की सेवा ली जा रही है। भारतीय नौ सेना में इसे 2005 और थल सेना में 2007 में शामिल किया गया था। इसके बाद हवा से वार करने वाले संस्करण का नवंबर 2017 में सफल परीक्षण किया गया। यह परीक्षण भारतीय वायुसेना ने सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान से किया।

वियतनाम, फिलीपींस, इंडोनेशिया, सिंगापुर, अर्जेंटीना, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका में इस मिसाइल के लिए भारत ने बाजार तलाश लिया है। फिलीपींस के ब्रह्मोस आयात करने वाला पहला देश बनने से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में व्यापक रणनीतिक परिणामों का अनुमान लगाया जा रहा है। चीन के साथ फिलीपींस का दक्षिण चीन सागर में क्षेत्रीय संघर्ष चल रहा है। यह बीजिंग के आक्रामक रूख के लिए प्रतिरोधक के रूप में कार्य करेगा। वास्तव में यही कारण है कि चीन आसियान देशों को ब्रह्मोस जैसे सुरक्षा उपकरण खरीदने को लेकर चेताता रहा है। इस कारण भारत को लगता है कि जो देश चीन से चुनौती महसूस कर रहे हैं, वे ब्रह्मोस को अपने शस्त्रागार में शामिल करने के लिए आगे आ सकते हैं।

अयोध्या में आदिनाथ

सौ करोड़ से बनेगा आदिनाथ मंदिर

अयोध्या भगवान ऋषभदेव की जन्मस्थली भी है। इसका विकास हस्तिनापुर के जंबू द्वीप की तर्ज पर होगा। जंबू द्वीप से जुड़ी ज्ञानमति माताजी के निर्देशन में दिंगबर जैन अयोध्या तीर्थ क्षेत्र कमेटी इस पर कार्य कर रही है। 100 करोड़ से अधिक की लागत से मंदिर निर्माण की तैयारी है। लखनऊ के आर्किटेक्ट मंदिर का मास्टर प्लान तैयार कर रहे हैं।

दिगंबर जैन अयोध्या तीर्थ क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष पीठाधीश स्वामी रविंद्र कीर्ति जी के अनुसार ज्ञानमति माताजी वर्ष 1995 से अयोध्या के विकास के लिए कार्य कर रही हैं। नौ मंदिरों का अयोध्या में निर्माण किया जा चुका है। अब अंतिम चरण में आदिनाथ तीर्थंकर ऋषभदेव भगवान के मंदिर का कार्य प्रगति पर है। भगवान श्रीराम मंदिर से एक किलोमीटर की दूरी पर इस मंदिर का निर्माण किया जाएगा। होली के आसपास कार्य आरंभ होने की संभावना है।

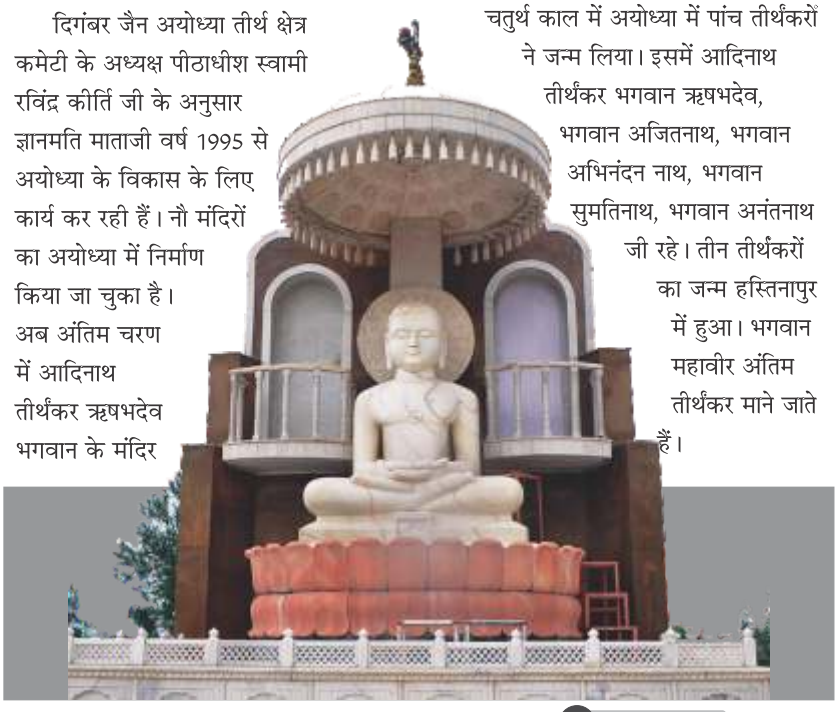

जैन समाज का शाश्वत तीर्थ अयोध्या

अयोध्या को जैन समाज का शाश्वत तीर्थ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार चतुर्थ काल में अयोध्या में पांच तीर्थंकरों ने जन्म लिया। इसमें आदिनाथ तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव, भगवान अजितनाथ, भगवान अभिनंदन नाथ, भगवान सुमतिनाथ, भगवान अनंतनाथ जी रहे। तीन तीर्थंकरों का जन्म हस्तिनापुर में हुआ। भगवान महावीर अंतिम तीर्थंकर माने जाते हैं।

माइंड गेम

अंतिम अक्षर से पहले आधा अक्षर

निम्न वक्तव्य या शब्दों के लिए उचित शब्द लिखिए जिसके अंतिम अक्षर से पहले का अक्षर आधा/स्वरहीन हो जैसे सप्त। यहां 'त' पूर्ण और 'प' अर्ध है।

1. अक्षरों का सार्थक समूह/अक्षरबद्ध
2. खून
3. जहरीला
4. पीठ के नीचे, शरीर का पिछला अंग
5. सहारा
6. देर
7. यमुना किनारे पर वृक्ष विशेष
8. जल में दिखने वाली परछाई
9. बद्ध विचारों का लेख
10. मेल–जोल
11. एहसान न मानने वाला
12. खत्म
13. प्रकाशित
14. शंका
15. लिपटा हुआ
16. कम
17. घमंड
18. सच
19. सोया हुआ
20. दुख, जला हुआ
21. सचेत
22. माना हुआ
23. गर्म
24. त्यागा हुआ
25. मेहमाननवाजी
26. चीरफाड़
27. उचित–अनुचित की जांच
28. बाधा
29. निश्चय
30. बदले में

उत्तर अन्यत्र देखें

नहीं टूट रहा इन घरानों की जीत का तिलिस्म

राजकुमार शर्मा

उत्तरप्रदेश के सियासी मंच पर कई राजनैतिक खानदानों की तूती बोलती रही है। नेहरू, गांधी की चौथी पीढ़ी खोई जमीन तलाश रही है। धरती पुत्र के सुपुत्र फिर से प्रदेश के मुखिया होने की कवायद में जुटे हैं तो चरणसिंह की तीसरी पीढ़ी इम्तहान की तैयारी में है। नीले आकाश पर मेडम माया के भतीजे भी चमकने को बेकरार हैं। राजनीति में वंशवाद, परिवारवाद जैसे शब्द सुनाई तो खूब देते हैं, लेकिन सियासत से मोहब्बत करने वाले इससे बेपरवाह ही दिखते हैं। यही कारण है कि प्रदेश की राजनीति में नेताओं के बेटे-बेटियों की लॉचिंग का सिलसिला जारी है।

तीसरी पीढ़ी करेगी कितना कल्याण

यूपी के सीएम रहे कल्याणसिंह अब दुनिया में नहीं है। मगर उनके सामने ही पोते संदीप के रूप में तीसरी पीढ़ी सियासत में कूद चुकी थी। बेटे राजवीरसिंह राजू भैया एटा से भाजपा सांसद हैं और पोता योगी सरकार में राज्यमंत्री। अब देखना यह है कि लोध और कई पिछड़ी जातियों के वोटों पर खासा प्रभाव रखने वाले स्व. कल्याणसिंह के खानदानी वारिस इस पकड़ को कितना बरकरार रख पाते हैं।

जितिन प्रसाद की भी परीक्षा

सरकार में कुछ माह पूर्व विधान परिषद के रास्ते काबीना मंत्री पद का जिम्मा संभालने वाले जितिन प्रसाद कांग्रेसी दिग्गज जितेंद्र प्रसाद के राजनैतिक वारिस है। रूहेलखंड से आने वाले जितिन भी पिछले चुनावों में टीम राहुल का हिस्सा थे। चुनाव हारने ओर फिर कांग्रेस से मोहभंग होने के बाद उन्होंने भाजपा का रूख कर लिया था। रूहेलखंड में खासतौर पर शाहजहांपुर और आसपास के जिलों में ब्राह्मणों के वोट के साथ अपनी छवि के जरिये भाजपा की फतेह में अहम भूमिका निभाना उनकी चुनौती होगी।

नितिन संभाल रहे पिता की विरासत

वैश्य राजनीति का प्रमुख चेहरा और मंत्री रहे नरेश अग्रवाल की विरासत उनके पुत्र नितिन अग्रवाल संभाल रहे हैं। नरेश तो भाजपा कोटे से राज्यसभा नहीं जा सके थे लेकिन बीते दिनों भाजपा ने उनके बेटे को विधान परिषद का उपसभापति जरूर बना दिया।

इनके कंधों पर है बड़ी जिम्मेदारी

लंबी लड़ाई के संकेत दे रहीं प्रियंका

राहुल और प्रियंका गांधी नेहरू-गांधी परिवार की चौथी पीढ़ी से आते हैं। यूपी के 2020 के सियासी संग्राम के लिए गांधी खानदान से प्रियंका गांधी ने कमान संभाल रखी है। प्रियंका जानती हैं कि बीते दो दशक में प्रदेश में कांग्रेस के पास कार्यकर्ताओं की जगह नेता ही बचे हैं और मौजूदा फौज के बल पर किला फतह कर पाना संभव नहीं है। फिर भी आधी आबादी के बल पर मैदान में डटी हैं।

अखिलेश के हाथ कमान

सूबे की राजनीति में धरती पुत्र की पहचान पाने वाले मुलायमसिंह यादव बढ़ती उम्र के साथ अब संरक्षक की भूमिका में हैं। 2012 में अखिलेश को सूबे की सत्ता उन्होंने सौंप दी थी। अखिलेश का नेतृत्व अब पार्टी के सभी क्षत्रप या तो स्वीकार चुके हैं या फिर दूसरे ठिकाने तलाश चुके हैं। यह पहला चुनाव है, जिसमें सभी मोर्चों पर खुद को साबित करने के साथ अखिलेश नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरे हैं। इसबार के चुनावी नतीजों का श्रेय हर परिस्थिति में अखिलेश के ही खाते में जाने वाला है।

मां–बेटी के बीच विरासत की जंग

सोनेलाल पटेल पूर्व उत्तरप्रदेश की राजनीति का एक बड़ा चेहरा थे। उनके बाद खानदानी विरासत संभालने की जंग पत्नी कृष्णा पटेल और बेटी अनुप्रिया पटेल के बीच लगातार जारी है। हालांकि इस लड़ाई में अभी तक अनुप्रिया का पलड़ा भारी रहा है। वो खुद न सिर्फ दूसरी बार मोदी केबिनेट में मंत्री हैं, बल्कि 2017 में भाजपा से गठबंधन में 11 सीटें लेकर मोदी लहर में नौ विधायक जिताने में भी सफल रही थीं। उनके पति आशीष पटेल भी भगवा दल के सहयोग से विधान परिषद पहुंच चुके हैं। इस चुनाव में फिर मां-बेटी आमने-सामने हैं। कृष्णा पटेल इस चुनाव में अखिलेश यादव के साथ हैं तो अनुप्रिया का अपना दल फिर एनडीए का हिस्सा है।

खुद को साबित करने में जुटे जयंत

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह की राजनैतिक विरासत को अब तीसरी पीढ़ी के रूप में जयंत चौधरी संभाल रहे हैं। अभी तक पार्टी की कमान चौ. अजितसिंह के हाथ थी। उनके निधन के बाद 2022 के यूपी चुनाव में जयंत चौधरी का यह पहला सियासी इम्तहान है। पार्टी के चौधरी भी वो खुद हैं व चौधराहट संभालने का जिम्मा भी उन्हीं के कंधों पर है। देखना यह है कि साइकिल की मदद और अपनी समझ से रालोद का हैंडपंप पश्चिमी यूपी की कितनी सियासी जमीन सींच पाता है।

हरिशंकर तिवारी का कुनबा अब सपाई

पूर्वांचल की राजनीति का प्रमुख नाम है पंडित हरिशंकर तिवारी। लंबे समय तक कांग्रेस की राजनीति करने वाले हरिशंकर तिवारी के बेटे विनय शंकर तिवारी गोरखपुर के चिल्लूपार सीट से बहुजन समाज पार्टी के से विधायक चुने गए थे। बड़े बेटे कुशल तिवारी संतकबीर नगर से सांसद रह चुके हैं। उनके भांजे ओर बसपा सरकार में विधान परिष्द के सभापति रहे गणेश शंकर पांडेय सहित तिवारी का कुनबा इस बार समाजवादी पार्टी में शामिल हो चुका है। देखना हे कि ये फैसला कितना कारगर होगा।

अंसारी खानदान पर भी नजर

पूर्वांचल के बाहुबली मुख्तार अंसारी भी बड़े राजनैतिक खानदान से ही ताल्लुक रखते हैं। उनके दादा का नाम भी मुख्तार अहमद अंसारी था, जो आजादी से पहले इंडियन नेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं। चाचा हामिद अंसारी उपराष्ट्रपति रहे हैं। मुख्तार खुद विधायक है और भाई अफजल अंसारी गाजीपुर से बसपा सांसद और बड़े भाई सिबगतुल्लाह अंसारी पूर्व विधायक हैं। योगी सरकार के निशाने पर रहने वाले बाहुबली मुख्तार अंसारी के खानदान पर भी इस चुनाव में सबकी नजर है। फिलहाल मुख्तार अंसारी जेल में हैं। इस चुनाव में वह अपने या अपने परिवार को क्या मदद कर पाएंगे, यह तो वक्त बताएगा।

पाठक पीठ

प्रत्यूष के नववर्ष 2022 के प्रथम अंक में जगन्नाथ झालावत का आलेख 'न आए नौबत अब किसान आंदोलन की' अच्छा लगा। किसानों के हित में मोदी सरकार की सोच सकारात्मक है, बावजूद इसके नए कृषि कानूनों में एमएसपी को लेकर सरकार किसानों को संतुष्ट नहीं कर पाई और देश को एक लम्बे किसान आंदोलन से रूबरू होना पड़ा।

अशोक गुप्ता, फूड निरीक्षक

प्रत्यूष के जनवरी अंक में पृष्ठ 14 पर प्रकाशित ओशो का आलेख 'साक्षी की तलाश ही अध्यात्म है' पढ़ा। ओशो ने इस भ्रांति को दूर कर दिया कि अध्यात्म सिर्फ एक अनुभव है। उनका यह कहना ज्यादा सही है कि अध्यात्म तो उस अनुभव तक पहुंचने और उसे आत्मसात कर जीवन को सार्थक करने की यात्रा है।

मुकेश जाट, व्यवसायी

जनवरी अंक में 'मेवाड़ के इतिहास में गैर राजपूतों की भूमिका' पुस्तक की समीक्षा से ज्ञात हुआ कि राजपूतों ने तो मेवाड़ की स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए युद्ध लड़े और बड़े-बड़े त्याग किए ही, लेकिन गैर राजपूतों ने भी विविध क्षेत्रों में अपने कौशल का लोहा मनवाया। पुस्तक की लेखिका व समीक्षक दोनों ही धन्यवाद के पात्र हैं।

डॉ. करुणेश सक्सेना, वीसी
संगम यूनिवर्सिटी, भीलवाड़ा

प्रत्यूष का जनवरी 22 का अंक मिला। क्रांतिवीर उधमसिंह के संकल्प और उसके लिए प्राणों का उत्सर्ग किया जाना, सभी देशवासियों के लिए एक प्रेरणादायी सबक है। हमें भी मुश्किलों से हासिल आजादी, देश की एकता व अखण्डता के लिए हर पल सचेष्ट रहना होगा।

संजय श्रीवास्तव,
अधिशासी अभियंता

जनवरी 22 की प्रत्यूष का आवरण जांबाज जनरल को आखिरी सलाम तो खास था ही, उससे भी खास था आवरण आलेख जिसमें जनरल विपिन राव की 43 वर्षीय साहसिक सेवाओं का उल्लेख था। तमिलनाडु के पर्वतीय इलाके में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में रावत दंपती के साथ जिन अन्य 12 जवानों की शहादत हुई उन्हें दी गई सादर श्रद्धांजलि पर आंखें नम हो उठीं।

सुंदरलाल वैष्णव, महासचिव, भा. वन विभाग कर्मचारी संघ, उदयपुर

सर्दियों की उदासी से बचें

मौसम का प्रभाव हमारे शारिरीक स्वास्थ्य ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। सर्दियों में धूप भी कम निकलती है, जिससे शरीरिक सक्रियता कम हो जाती है। इसका असर हमारे मूड को भी प्रभावित करता है। सर्दियों की इस उदासी को विंटर ब्ल्यूज कहा जाता है। इससे बचाव के बारे में जानकारी दे रहे हैं मनोजकुमार शर्मा।

विंटर ब्ल्यूज होने का सबसे प्रमुख कारण प्राकृतिक रोशनी की कमी है। यह रोशनी कम मिलने से हमारे शरीर की जैविक घड़ी बिगड़ जाती है। ऐसा इसलिए होता है कि प्राकृतिक रोशनी विभिन्न हार्मोनों को प्रभावित करती है, जो हमारी जागने और सोने की प्रक्रिया को नियंत्रित करते हैं। सर्दियों में जब प्राकृतिक रोशनी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं होती, तब हमारा मस्तिष्क जागते हुए भी बहुत अधिक मात्रा में स्लीम हार्मोन मेलेटोनिन का उत्पादन करता है, जिससे हम थका हुआ और उनींदा महसूस करते हैं। इसके अतिरिक्त सेरेटोनिन के स्तर में भी कमी आ जाती है। यह हार्मोन हमारा मूड अच्छा रखता है, भूख कम करता है और हमें चौकस व जागृत रखता है। सेरेटोनिन का स्तर कम होने से गुस्सा, अवसाद और उत्तेजना का शिकार होने की आशंका बढ़ जाती है। इसे सीजनल अफेक्टिव डिसॉर्डर (सैंड) भी कहते हैं। अधिकतर मामलों में ये अपने आप ही ठीक हो जाता है। हालांकि अब दिन बड़े और रातें छोटी होने लगी हैं, इसके साथ ही लक्षणों में भी कमी आने लगी है। फिर भी समस्या गंभीर है तो इसका उपचार जरूरी हो जाता है।

जल्दी उठें

सबसे जरूरी है कि आप प्राकृतिक रोशनी में अधिक से अधिक समय बिताएं। आप जितनी जल्दी उठेंगे, प्राकृतिक रोशनी के सम्पर्क में उतने ही अधिक रहेंगे। इसके अलावा धूप में रहने से विटामिन डी भी मिलता है, शरीर में विटामिन डी की कमी भी डिप्रेशन की आशंका बढ़ा देती है। सर्दियों में सप्ताह में तीन बार 2 से 4 घंटे का धूप में रहें।

इन लक्षणों को पहचानें

सर्दियां शुरू होने के साथ अपने व्यवहार में यदि अचानक परिवर्तन आ गया हो, अन्य दिनों की अपेक्षा कहीं अधिक सुस्त व उदास महसूस करने लगे हों अथवा एकांत में रहना ज्यादा अच्छा लगता है तो सावधान हो जाएं। आपके व्यवहार में अगर ऐसे बदलाव आ रहे हैं, तो संभव है कि आप विंटर ब्ल्यूज के शिकार हों।

इन पर भी रखें नजर

- सामान्य से अधिक चिड़चिड़ापन महसूस करना
- जो काम पसंद है, उसे करने में भी रूचि न लेना
- ध्यान केन्द्रित करने में परेशानी
- सामाजिक गतिविधियों में रूचि की कमी
- हमेशा थके रहना, अधिक सोना
- पेट में या जोड़ों में दर्द होना
- अत्यंत संवदेनशील हो जाना

नियमित व्यायाम

मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट व्यायाम जरूर करें। व्यायाम करने से शरीर फील गुड हार्मोन एड्रेनलिन और कार्टिसोल के स्तर को बेहतर तरीके से नियंत्रित रखता है। आप जितने अधिक फीट होंगे, शरीर में प्राकृतिक रूप से फील गुड हार्मोन एंडोरफिन का स्तर उतना अधिक बेहतर होगा।

खानपान पर ध्यान

सर्दियों में भोजन में सोया उत्पादों, दुग्ध उत्पादों, सूखे मेवे, अंडे, मांस और चिकन की मात्रा बढ़ाएं। थकान का एक कारण मेग्नीशियम की कमी भी हो सकता है। बादाम, काजू जैसे सूखे मेवों का सेवन करें। दिन में तीन बार मेगा मील खाने की बजाय पांच या छह बार मिनी मील खाएं। इससे शुगर का स्तर कम नहीं होगा, जो मस्तिष्क को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

ध्यान करें

मानसिक शांति के लिए ध्यान करें। ध्यान अवसाद, उत्तेजना, अनिद्रा में बहुत उपयोगी है। ध्यान सेरिब्रल कोरटेक्स की मोटाई बढ़ाता है और मस्तिष्क की कोशिकाओं के बीच संपर्कों को बढ़ाता है। इससे मस्तिष्क की कार्यप्रणाली बेहतर होती है।

विंटर ब्ल्यूज होने का सबसे प्रमुख कारण प्राकृतिक रोशनी की कमी है। यह रोशनी कम मिलने से हमारे शरीर की जैविक घड़ी बिगड़ जाती है। ऐसा इसलिए होता है कि प्राकृतिक रोशनी विभिन्न हार्मोनों को प्रभावित करती है, जो हमारी जागने और सोने की प्रक्रिया को नियंत्रित करते हैं। सर्दियों में जब प्राकृतिक रोशनी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं होती, तब हमारा मस्तिष्क जागते हुए भी बहुत अधिक मात्रा में स्लीम हार्मोन मेलेटोनिन का उत्पादन करता है, जिससे हम थका हुआ और उनींदा महसूस करते हैं। इसके अतिरिक्त सेरेटोनिन के स्तर में भी कमी आ जाती है। यह हार्मोन हमारा मूड अच्छा रखता है, भूख कम करता है और हमें चौकस व जागृत रखता है। सेरेटोनिन का स्तर कम होने से गुस्सा, अवसाद और उत्तेजना का शिकार होने की आशंका बढ़ जाती है। इसे सीजनल अफेक्टिव डिसॉर्डर (सैंड) भी कहते हैं। अधिकतर मामलों में ये अपने आप ही ठीक हो जाता है। हालांकि अब दिन बड़े और रातें छोटी होने लगी हैं, इसके साथ ही लक्षणों में भी कमी आने लगी है। फिर भी समस्या गंभीर है तो इसका उपचार जरूरी हो जाता है।

स्लीप साइकिल बनाएं

सर्दियों में भी अपने सोने और उठने का समय न बदलें, ताकि शरीर की लय न गड़बड़ाए। शरीर की आवश्यकता के अनुसार छह से आठ घंटे की नींद लें। दोपहर में भी 10-15 मिनट की झपकी लें।

थकान महसूस हो तो सैर पर जाएं

जब भी थकान महसूस करें, सैर को निकल जाएं या कोई व्यायाम करें। कई लोग सोचते हैं कि थकान होने पर व्यायाम करने से तो शरीर और थक जाएगा, पर यह सोचना गलत है। इससे ऊर्जा के स्तर में वृद्धि होती है।

किन्हें है अधिक खतरा

- जो लोग पहले से ही अवसाद के शिकार हैं।
- जिन्हें डायबिटीज या हाइपो थायरॉइडिज्म है।
- जो कफ प्रकृति के हैं।
- जो मानसिक बीमारियों के शिकार हैं।
- जो लोग शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं रहते।

दी डूंगरपुर सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि. डूंगरपुर

प्रधान कार्यालय: न्यू कॉलोनी, डूंगरपुर – 314001

स्थापना: 1958 रजिस्ट्रेशन नं. 121 जे

गणतंत्र दिवस पर बैंक की ओर से समस्त सम्मानित ग्राहकों एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

समस्त शाखाएं कोर बैंकिंग सुविधायुक्त
आरटीजीएस/एनईएफटी/एसएमएस अलर्ट/लॉकर्स सुविधाएं उपलब्ध
मुख्यमंत्री ब्याज मुक्त फसली ऋण योजना/विभिन्न ऋण योजनाएं

बैंक के समस्त खाताधारक निर्बाध संचालन हेतु नजदीकी शाखा से सम्पर्क कर केवायसी पूर्ण करावें।

हमारी शाखाएं: सिटी शाखा डूंगरपुर, सायंकालीन डूंगरपुर, सागवाड़ा, खड़गदा, सीमलवाड़ा, धम्बोला, आसपुर, साबला एवं कनबा

(राजकुमार खांडिया)
प्रबंध निदेशक

(बद्रीनारायण शर्मा)
अध्यक्ष

प्रत्यूष

कप्तानी से विराट का विराम

जगदीश सालवी

दक्षिण अफ़्रीका से मिली हार के बाद विराट कोहली ने टेस्ट टीम की कप्तानी से भी विदाई ले ली। इसकी घोषणा खुद उन्होंने की। उनके इस आकस्मिक फैसले से क्रिकेट जगत में खलबली स्वाभाविक है। कहा जा रहा है कि पिछले कुछ समय से बीसीसीआई के साथ उनके संबंध तनावपूर्ण थे। टी-20 विश्वकप में भारत के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने इस फोरमेट की कप्तानी छोड़ दी थी जबकि वन डे की कमान उनसे बीसीसीआई ने छीन कर रोहित शर्मा को थमा दी।

95 वनडे कप्तान के रूप में खेले, 65 में जीते 27 में हारे, तीन बेनतीजा

254 रन नाबाद कप्तान के रूप में उनका सर्वाधिक स्कार है जो उन्होंने 2019-20 में दक्षिण अफ़्रीका के खिलाफ बनाया था

2014 में एडीलेड में दोनों पारियों में शतक लगाया। वह कप्तान के रूप में उनका पहला टैस्ट था

5864 रन कप्तान के रूप में 20 शतक की मदद से बनाए दूसरी ओर खिलाड़ी के रूप में उनके नाम 31 टैस्ट में सात शतक समेत 2098 रन दर्ज हैं।

दक्षिण अफ्रीका टेस्ट सीरीज में हार के बाद विराट कोहली ने 15 जनवरी को टेस्ट से कप्तानी छोड़ दी है। कोहली ने टी-20 वर्ल्ड कप के शुरू होने से पहले ही इस फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी थी। वहीं, दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले उनको वनडे की कप्तानी से पद से भी हटा दिया गया था। चयनकर्ताओं ने कहा था कि व्हाइट बॉल क्रिकेट के दो कप्तान नहीं हो सकते। कोहली 2014 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर महेन्द्रसिंह धोनी के सन्यास लेने के बाद टेस्ट कप्तान बने थे। वे टेस्ट में टीम इंडिया के सबसे सफल कप्तान हैं। उन्होंने 68 टेस्ट में टीम इंडिया की कप्तानी की है और उनमें से 40 में टीम जीती है। 17 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा और 11 टेस्ट ड्रॉ रहे। दूसरे नंबर पर एमएस धोनी है, जिन्होंने 60 टेस्ट में कप्तानी की और इसमें से टीम इंडिया 27 मैचों में जीती। 18 में भारत को हार का सामना करना पड़ा और 15 टेस्ट ड्रॉ रहे। दुनियाभर के टेस्ट कप्तानों की तुलना करें तो विराट कोहली सबसे ज्यादा मैचों में कप्तानी करने के मामले में छठे नंबर हैं। उनसे आगे दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ, ऑस्ट्रेलिया के एलेन बॉर्डर, न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग, ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग और वेस्टइंडीज के क्लाइव लॉयड हैं। विराट कोहली ने कप्तान के तौर पर बल्लेबाजी में भी अपना लोहा मनवाया। उन्होंने पिछले कुछ समय से संघर्ष करने के बावजूद 113 पारियों में 54.80 की औसत से 5,864 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 20 शतक और 18 अर्द्धशतक लगाए। विराट की कप्तानी में भारत ने दक्षिण अफ्रीका में दो टेस्ट मैच जीते हैं। वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय कप्तान हैं। उनकी कप्तानी में सबसे पहले टीम इंडिया ने 2018 दौरे पर वांडरर्स टेस्ट जीता था और इसके बाद पिछले साल 2021 में सेंचुरियन में दूसरी बार दक्षिण अफ्रीका को हराया।

ट्वीट से शुरू हुआ विवाद

असल में विवाद का आगाज साढ़े चार माह पूर्व 16 सितम्बर के उस ट्वीट से हो गया था जब कोहली ने टी–20 टीम की कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया था। वजह बताई टेस्ट और 2023 विश्व कप को जेहन में रखकर वनडे पर फोकस करना। इस दौर के महानतम बल्लेबाज के अर्श से फर्श के इस सफर की किसी ने कल्पना नहीं की होगी। कप्तानी छोड़ने का यह फैसला उनका व्यक्तिगत ही माना जाएगा क्योंकि फैसला लेने से पहले बोर्ड के आला अधिकारियों से उन्होंने कोई मशविरा नहीं किया।

सफलतम कप्तान रिटायर्ड हर्ट

महज पांच महीने पहले कोहली भारतीय क्रिकेट के बेताज बादशाह थे। तीनों प्रारूपों में कप्तान थे। बाद में टी-20 की कप्तानी से हटाया गया और अंत में हालात ऐसे हो गए कि टेस्ट कप्तानी छोड़ने के अलावा उनके पास कोई चारा नहीं बचा था। ऐसे में कहा जाए कि एक सफलतम कप्तान रिटायर्ड हर्ट हुआ, तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। इसका ठीकरा द. अफ्रीका से टैस्ट सीरीज में हार पर फोड़ना गलत होगा

इस्तीफे में यह लिखा...

__टीम__ को सही दिशा में ले जाने के लिए मैंने सात साल तक हर दिन कठिन परिश्रम किया। अपना काम पूरी ईमानदारी के साथ किया और कोई कसर नहीं छोड़ी। हर चीज को किसी न किसी मोड़ पर रूकना ही होता है और टेस्ट टीम के कैप्टन के तौर पर मेरे लिए रूकने का यही समय है। इस पूरी यात्रा के दौरान कई उतार-चढ़ाव भी आए, लेकिन मेरी कोशिशों और भरोसे में कभी कमी नहीं आई। मैं हमेशा हर चीज में 120 प्रतिशत योगदान देना चाहता हूं, अगर मैं ऐसा नहीं कर पाता हूं तो यह गलत होगा। मेरे दिल में कोई संशय नहीं है और मैं अपनी टीम के साथ बेईमानी नहीं कर सकता। मैं बीसीसीआई को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उसने इतने लंबे समय तक मुझे अपने देश की अगुआई करने का मौका दिया। इसके साथ ही मैं अपने साथियों का भी शुक्रिया करना चाहता हूं। जिन्होंने पहले दिन से ही मेरे विजन पर भरोसा किया और किसी भी स्थिति में हथियार नहीं डाले। आपने मेरे सफर को यादगार और खूबसूरत बना दिया है। रवि भाई और सपोर्ट ग्रुप इस गाड़ी के इंजन के तौर पर रहे, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट को लगातार ऊंचा उठाया है। आप सबने मेरे विजन को हकीकत में बदलने में अहम भूमिका निभाई है। आखिर में एमएस धोनी को बहुत ज्यादा शुक्रिया, जिन्होंने मुझ पर एक कप्तान के तौर पर बहुत ज्यादा भरोसा किया है। उन्होंने मुझे इस लायक समझा कि मैं भारतीय क्रिकेट को आगे लेकर जा सकता हूं।

कप्तान के रूप में सफर

स्थान	मैच	जीते	हारे	ड्रॉ
भारत	31	24	02	05
विदेश	37	16	15	06
कुल	68	40	17	11

मैं व्यक्तिगत रूप से विराट को भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान के रूप में उनके अपार योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं। उनकी कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने खेल के सभी प्रारूपों में तेजी से प्रगति की। उनका निर्णय व्यक्तिगत है और बोर्ड इसका बहुत सम्मान करता है। वह इस टीम के एक बहुत ही महत्वपूर्ण सदस्य बने रहेंगे और एक नए कप्तान के नेतृत्व में बल्ले से अपने योगदान के साथ टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

सौरव गांगुली, अध्यक्ष, बीसीसीआई

चावल के आकार की माइक्रोचिप

शोध

शरीर के अंदर रख सकेंगे निजी डाटा

निजी डाटा की सुरक्षा को लेकर अब किसी को ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। व्यक्ति अपना निजी डाटा अपने शरीर में इम्प्लांट करा सकेंगे। स्वीडन की कंपनी ने चावल के आकार की माइक्रोचिप बनाई है। इसमें लोग अपना निजी डाटा डालकर अपने शरीर में इम्प्लांट करवा रहे हैं।

कोविड पास दिखेगा

इस चिप में आपके उपकरणों को अनलॉक करने के कोड, बिजनेस कार्ड, सार्वजनिक यातायात कार्ड जैसी कई तरह की जानकारी डाली जा सकती है। अब इसे लोगों ने कोविड वैक्सीन पास की तरह भी इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है।

लोकेशन नहीं बताएगा

इस चिप में कोई बैटरी नहीं होती है। ये खुद कोई सिग्नल नहीं भेज सकते हैं। ये एक तरह से सोए हुए हैं। ये कभी आपकी लोकेशन नहीं बता सकते। ये तभी जागृत होते हैं जब आप अपने स्मार्टफोन से इनको छूते हैं।

डिसरप्टिव सबडर्मल्स नाम की कम्पनी ने त्वचा के अंदर इम्प्लांट की जाने वाली इस चिप को बनाया है। अभी तक इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल शुरू नहीं हुआ है, लेकिन फिर भी कई हजार लोगों ने इस चिप को अपने शरीर में इम्प्लांट करवा लिया है।चिप को इम्प्लांट करवा लेने वाली स्टॉक होम की निवासी अमेंडा बैक कहती हैं कि मुझे लगता है इस चिप को अपने शरीर में इम्प्लांट करवाना और उसमें अपना सारा निजी डाटा रखना मेरी अपनी इमानदारी का हिस्सा है। मुझे वाकई ऐसा महसूस होता है कि इस तरीके से मेरे डाटा पर मेरा नियंत्रण बढ़ गया है। गौरतलब है कि स्वीडन में बड़ी संख्या में बायोहैकर हैं जिनका इस बात में दृढ विश्वास है कि भविष्य में इंसान टेक्नोलॉजी के साथ पहले से भी ज्यादा जुड़ जाएंगे।

हेल्थ वियरेबल से सस्ता: एक चिप को इम्प्लांट करवाने का खर्च 100 यूरो (8,500 रुपए) आएगा। वहीं किसी हेल्थ वियरेबल की कीमत संभवत: इससे दुगुना होगी। साथ ही अन्य वियरेबल का सिर्फ तीन से चार सालों तक इस्तेमाल कर सकते हैं। जबकि एक चिप इम्प्लांट का आप 20 से 40 सालों तक इस्तेमाल कर सकते हैं।

प्रोस्टेट कैंसर छुपाएंगे तो बढ़ेगा खतरा

डॉ. के.एस. मोगरा

प्रोस्टेट कैंसर तेजी से बढ़ने वाले कैंसरों में शुमार है। दुनियाभर में प्रोस्टेट कैंसर दूसरा सबसे सामान्य कैंसर है और विश्वभर में कैंसर से होने वाली मौतों का यह छठा प्रमुख कारण है।

पुरुष अपने स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को अकसर छिपाते हैं, खासकर तब जब प्रोस्टेट ग्रंथि से जुड़ी कोई समस्या होती है। यह ग्रंथि पुरुषों के मूत्राशय के नीचे होती है। यूरेथ्रा को चारों तरफ से घेरने वाली यह ग्रंथि वीर्य पैदा करती है। यूरोलॉजिस्ट पुरुषों को इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि अगर उनमें प्रोस्टेट संबंधी समस्या के लक्षण उभर रहे हों तो तत्काल चिकित्सक से परामर्श करना चाहिए। पुरुषों को बार-बार तुरंत मूत्र त्याग करने की इच्छा महसूस होती है या उन्हें मूत्र त्यागने में दिक्कत होती है तो वे इस उम्मीद में इसे टालते रहते हैं कि समस्या अपने आप ठीक हो जाएगी। ऐसा सोचना ठीक नहीं है। प्रोस्टेट कैंसर का प्रकोप बढ़ रहा है और दुनियाभर में बुजुर्गों की संख्या बढ़ने के कारण 2030 तक इसके 17 लाख नए मामले सामने आएंगे। प्रोस्टेट कैंसर के 10 में से छह मामले 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में पाए जाते हैं। नई दिल्ली के मैक्स हेल्थकेयर के इंस्टीट्यूट ऑफ यूरोलौजिक साइंसेज के निदेशक डॉ. पी.बी. सिंह बताते हैं, प्रोस्टेट कैंसर की जांच प्रोस्टेट स्पेफिक एंजीजन (पीएसए) के बढ़े हुए स्तर 4 से 10 के बीच होता है, उन्हें प्रोस्टेट कैंसर होने की आशंका 4 में 1 होती है। अगर पीएसए का स्तर 10 से अधिक होता है तो प्रोस्टेट कैंसर होने की आशंका 50 प्रतिशत से अधिक होती है। हालांकि आज तक प्रोस्टेट कैंसर के सही कारण का पता नहीं चला है, लेकिन ऐसे कई उपाय हैं, जिनकी मदद से प्रोस्टेट कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है। सब्जियों एवं फलों का सेवन करके, शारीरिक रूप से सक्रिय रह कर तथा अपने वजन पर नियंत्रण रख कर इसका खतरा कम किया जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पुरुषों में मोटापे के तेजी से बढ़ने तथा डायग्नॉस्टिक तकनीकों की उपलब्धता बढ़ने के कारण आज प्रोस्टेट कैंसर के मरीजों का पता अधिक संख्या में चल रहा है।

इस बीमारी के 50 प्रतिशत तक मामले परिवारों में चलते रहते हैं, जहां मरीज अपने परिवार से इस बीमारी को विरासत में प्राप्त करता है। जिस व्यक्ति के पिता, भाई या पुत्र को प्रोस्टेट कैंसर होता है, उन्हें यह रोग होने का खतरा दोगुना होता है।

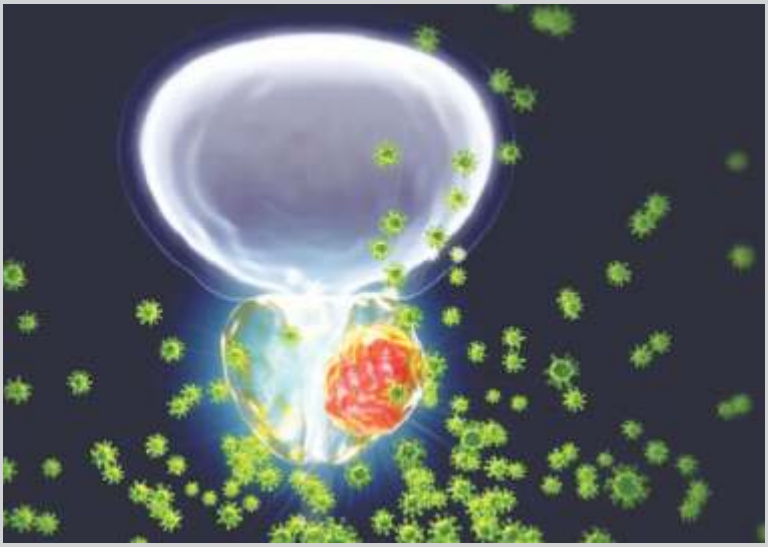

सुरक्षा कवच

- रेड मीट तथा डेयरी उत्पादों का इस्तेमाल कम करें ताकि इनसे मिलने वाली वसा से बचे रह सकें।
- दैनिक आहार में अधिक एंटीऑक्सीडेंट वाले फल और सब्जियों विशेषकर टमाटर की मात्रा बढ़ा दें।
- 30 या उससे अधिक बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) होने से प्रोस्टेट कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।
- 50 की उम्र होने पर डीआरई अल्ट्रासाउंड, यूरोफ्लोमेट्री और पीएसए टेस्ट के माध्यम से अपने प्रोस्टेट की जांच कराएं।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

भारत का गणतंत्र देता है हमें - अधिकार

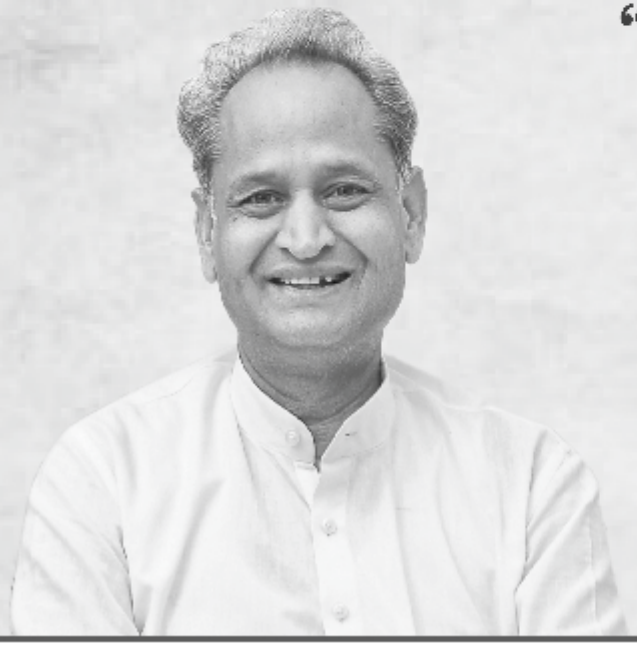

"भारत के गणतंत्र ने सबको स्वतंत्रता से जीने का अधिकार दिया है। अधिकार - वोट देने का, अपनी बात कहने का, अपने धर्म और सम्प्रदाय को बिना किसी दबाव के मानने का। अधिकार - भारतीय कहलाने का।

नागौर (राजस्थान) से 2 अक्टूबर, 1959 को देश में पंचायती राज की शुरुआत की गई। जिससे नागरिकों को अधिकार मिला कि वे गाँव के स्तर पर अपनी सरकार चुन सकें।

इसी क्रम में बीते दिनों में राज्य सरकार ने दिया आपको - स्वास्थ्य सेवाओं का अधिकार, FIR दर्ज कराने का अधिकार एवं उड़ान योजना के माध्यम से 15 से 55 वर्ष की महिलाओं को स्वस्थ-स्वच्छ रहने का अधिकार। खाद्य सुरक्षा का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, सूचना का अधिकार (RTI) एवं माता-पिता के भरण-पोषण के अधिकार से तो नागरिक पहले से ही लाभान्वित हो रहे हैं।

नागरिकों को और भी अधिकार मिलें, जिससे वे सशक्त हों। यह हमारा ध्येय है।

73वें गणतंत्र दिवस की आप सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।"

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

अभिभावकों की नींद उड़ा रहा बच्चों में बढ़ता मोटापा

रेणु शर्मा

बच्चों की जुबान पर चढ़ते बाजार के तुरंता आहार का स्वाद अब उनके स्वास्थ्य पर असर डालने लगा है। हालांकि पिछले कई सालों से अनेक अध्ययन चेतावनी देते आ रहे हैं कि डिब्बाबंद आहार की वहज से बच्चों में मोटापा, सुस्ती, बेचैनी, एकाग्रता की कमी, हृदय और गुर्दे संबंधी परेशानियां बढ़ रही हैं। इसे लेकर अभिभावकों का परेशान होना भी स्वाभाविक है। आईजीपीपी (शासन, नीति एवं राजनीति संस्थान) की ओर से किए गए एक राष्ट्रव्यापी सर्वे में लगभग 80 फीसद माता-पिता इस बात पर सहमत थे कि पैकेटबंद खाद्य उत्पादों पर वसा, नमक और चीनी के स्तर को प्रदर्शित करना निर्माता कंपनियों के लिए आवश्यक किया जाना चाहिए।

इनमें से लगभग 50 फीसद से अधिक माता-पिता ने इस बात पर चिंता जताई कि बाजार में पैकेटबंद पदार्थों की संख्या बढ़ती जा रही है। जिनकी मार्केटिंग धड़ल्ले से जोरदार तरीके से हो रही है। 80 फीसद से अधिक ने माना कि नमक, चीनी और वसा जैसे हानिकारक तत्वों से संबंधित जानकारी प्रदर्शित करना अगर सरकार द्वारा जरूरी कर दिया जाए तो लोग स्वस्थ्य विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित होंगे। सर्वेक्षण में शामिल 60 फीसद से ज्यादा अभिभावक अधिक वसा, नमक और चीनी (एसएफएसएस) वाले डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों को हमेशा के लिए छोड़ने के लिए तैयार दिखे। डिब्बाबंद खाद्य लोगों में हृदय रोग का भी बड़ा कारण बन रहे हैं। भारत में होने वाली कुछ मौतों में से करीब 17 फीसद हृदय रोग की वजह से होती है। पिछले बीस सालों मे हृदय संबंधी परेशानियां करीब उनसठ फीसद की दर से बढ़ी हैं। यहां तक कि अब बच्चों और किशोरों में भी हृदय संबंधी परेशानियां बढ़ने लगी हैं, जबकि पहले पचास पार के लोगों में ऐसी शिकायतें देखी जाती थीं।

डिब्बाबंद भोजन का व्यवसाय पिछले दस सालों में तेजी से बढ़ा है। इनका स्वाद बच्चों की जबान पर इस कदर चढ़ गया है कि उन्हें घर का बना भोजन पसंद ही नहीं आता। फिर जबसे रेस्तरां और होटलों से घर-घर भोजन पहुंचाने वाली कंपनियों का कारोबार फैला है, अब बहुत सारे शहरी लोग बाजार का भोजन अधिक पसंद करने लगे हैं। पहले रेस्तरां जाकर खाना पड़ता था, अब वही भोजन घर बैठे जो मिल जाता है। खासकर बहुत सारे ऐसे युवा, जो शहरों में अकेले रह कर पढ़ाई-लिखाई या नौकरी करते हैं, वे प्राय: बाहर से ही खाना मंगाकर खाते हैं। यह तो स्पष्ट है कि बाहर का भोजन चाहे जितनी बड़ी दुकान का क्यों न हो, उसमें स्वाद बढ़ाने के लिए कई चीजें अनावश्यक डाली जाती है।

डिब्बाबंद आहार में शामिल पदार्थों का स्पष्ट विवरण पैकेट पर अंकित करने की भले ही मांग की जा रही हो मगर यह समस्या का कोई समाधान नहीं है। दूर-दराज के गांवभी डिब्बाबंद खाद्य से अटे पड़े हैं। जिससे लोगों की पारंपरिक भोजन शैली ही बिगड़ती जा रही है। ऐसे में कितने लोग डिब्बों पर दर्ज जानकारियां पढ़कर सतर्क हो पाएंगे। बच्चों में बढ़ती स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान यही है कि उन्हें घर के भोजन की आदत डाली जाए। बिना अभिभावकों की जागरूकता के, भोजन से होने वाली स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से पार पाना चुनौती ही बना रहेगा।

Happy Republic Day

ठा. सा. टिकमसिंह - श्रीमती चंदाकंवर

फोन : 2584082, मो.: 9414167024

ठा. सा. गिरिराजसिंह
श्रीमती राजश्रीकंवर

ठा. सा. गोविन्दसिंह
श्रीमती मंजुकंवर

कु. सा. गगनसिंह
श्रीमती रीनाकंवर

UDAIPUR GOLDEN
TRANSPORT COMPANY

Fleet Owner's & Transport Contractor's

HEAD OFFICE :
13, Behind Central Jail,
Udaipur-313001 (Raj.)

Rao Tikam Singh S/o Late Jaswant Singh
Rao Giriraj Singh S/o Late Jaswant Singh
Rao Govind Singh S/o Late Jaswant Singh
Village : Sagwardiya, Dist. Banswara (Raj.)

कुण्डली में कहां है - सूर्य? क्या है असर?

पं. हीरालाल नागदा

सूर्य सौरमंडल का केन्द्र और सभी ग्रहों में प्रमुख है। यह मानव के रक्त और उसके प्रवाह पर अनुशासन रखता है। सूर्य सिंह राशि का स्वामी है। सिंह राशि वाले राजसी आचरण और भव्य परिवेश को अधिक पसंद करते हैं। वे किसी भी अपने प्रति अप्रिय बात को लेकर शीघ्र कुपित हो जाते हैं और यदि बात उनकी मनभावन हुई तो खुश भी जल्दी हो जाते हैं, हालांकि उनकी यह प्रवृत्ति उन्हें बहका भी देती है, जिससे वे अपना नुकसान भी कर बैठते हैं।

जन्मकुण्डली के भिन्न-भिन्न घरों में सूर्य की उपस्थिति का फलादेश भिन्न-भिन्न होता है।

प्रथम भाव: प्रथम घर इसमें सूर्य हो तो व्यक्ति नेत्ररोगी, आलसी संतति के कारण चिंतित, भ्राताओं से विरोध तथा अशक्त शरीर वाला होता है।

द्वितीय भाव: इसमें सूर्य हो तो व्यक्ति खर्चीला, उदार, मुख व नेत्र रोगी, कर्जदार, परिवार वालों से कष्ट पाने वाला होता है।

तृतीय भाव: इसमें सूर्य हो तो व्यक्ति शौर्यशील व पराक्रमी होता है। उदार स्वभाव, धन संपन्न, तीव्र व कुशाग्र बुद्धि, सुंदर शरीर, दृढ निश्चय, प्रवाससप्रिय तथा कार्यों के प्रति आसक्ति भाव रखने वाला होता है।

चतुर्थ भाव: इसमें सूर्य हो तो व्यक्ति पितृधन से हीन, मानहानि पाने वाला, भाई-बहन रहित, अल्पमात्रा में माता का सुख भोगने वाला, सदैव चिंतित रहने वाला होता है।

पंचम भाव: इसमें सूर्य हो तो व्यक्ति चंचल, यात्राप्रेमी, उदार, व्यापार से लाभ पाने वाला, कपटी, विलासी, क्रूर स्वभाव वाला, कलाप्रेमी होता है।

षष्टम भाव: इसमें सूर्य हो तो व्यक्ति अत्यंत स्वाभामिनी स्पष्ट कहने वाला, माता का सुख पाने वाला, रोगी पत्नी वाला तथा आजीवन संघर्षशील होता है।

सप्तम भाव: इसमें सूर्य हो तो व्यक्ति क्रोधी, स्त्री सुख रहित, स्त्री के वश में रहने वाला, अधिक बोलने वाला भाग्यशाली होता है।

अष्टम भाव: इसमें सूर्य हो तो व्यक्ति चंचल, दानी पंडितों की सेवा करने वाला, वाचाल, रोगों से युक्त होता है।

नवम भाव: इसमें सूर्य हो तो व्यक्ति सत्यभाषी, सुंदर, अपने परिवार का उपकार करने वाला, देवता व ब्राह्मणों से प्रेम रखने वाला, धन संपन्न, दीर्घायु, सुंदर व व्यावसायिक प्रगति वाला होता है।

दशम भाव: इसमें सूर्य हो तो व्यक्ति गुणसंपन्न, सुख प्राप्त करने वला दानी और अभिमानी होता है।

एकादश भाव: इसमें सूर्य हो तो व्यक्ति धनी, चंचल, शरीर से दुर्बल, सरकारी सेवा पाने वाला एवं क्रांतिकारी विचारों से युक्त होता है।

द्वादश भाव: इसमें सूर्य हो तो व्यक्ति पितृसुख रहित, दरिद्रता युक्त, धनहीन, पीड़ित भ्रष्टशील होता है।

पुरातन ग्रंथों में दान से पाप का नाश होना दर्शाया गया है। जिस ग्रह से व्यक्ति पीड़ित होता है उस ग्रह का दान उसे करना चाहिए। यदि व्यक्ति सूर्य ग्रह से पीड़ित हो तब उसे क्षत्रिय जाति के अधेड़ आयु के व्यक्ति को रविवार के दिन दोपहर के समय माणिक रत्न, सोना तांबा अथवा गुड़ आदि का अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान करना चाहिए।

दिन का चौघड़िया

6 बजे से प्रातः के समय	चोघडिया	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
6 से 7.30	पहली चौघ.	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल
7.30 से 9	दूसरी चौघ.	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
9 से 10.30	तीसरी चौघ.	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
10.30 से 12	चौथी चौघ.	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग
12 से 1.30	पांचवी चौघ.	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल
1.30 से 3	छठवीं चौघ.	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
3 से 4.30	सातवीं चौघ.	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत
4.30 से 6 शा	आठवीं चौघ.	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल

रात का चौघड़िया

6 बजे से रात के समय	चोघडिया	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
6 से 7.30	पहली चौघ.	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
7.30 से 9	दूसरी चौघ.	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग
9 से 10.30	तीसरी चौघ.	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
10.30 से 12	चौथी चौघ.	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत
12 से 1.30	पांचवी चौघ.	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल
1.30 से 3	छठवीं चौघ.	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
3 से 4.30	सातवीं चौघ.	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल
4.30 से 6 प्रातः	आठवीं चौघ.	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

अप्रेल में शनि का राशि परिवर्तनः आठ राशियों पर नज़र

शनिदेव इस वर्ष राशि बदलने वाले हैं। शनि का राशि परिवर्तन सभी राशियों के लिए खास मान जा रहा है। ज्योतिष के मुताबिक शनि देव के राशि परिवर्तन से जहां कुछ राशियों से साढ़े साती और ढैय्या प्रभाव खत्म हो जाएगा। वहीं कुछ राशियों के लिए शनि का साढ़ेसाती और साढ़े साती लाभदायक साबित होगा। इस वक्त कुंभ, मकर और धनु राशियों पर शनि की साढ़े साती चल रही है, जबकि मिथुन और तुला राशि पर शनि का ढैय्या चल रहा है।

मीन वालों पर शनि की साढ़े साती

मीन राशि वालों पर इस वर्ष शनि की साढ़ेसाती शुरू हो जाएगी, इसके साथ ही कर्क और वृश्चिक राशियों पर ढैय्या का प्रभाव रहने वाला है। इसके अलावा मिथुन और तुला वालों को शनि की ढैय्या से मुक्ति मिल सकती है। जब शनि का कुंभ राशि में प्रवेश होगा तब मकर, कुंभ और मीन वालों पर साढ़ेसाती का असर रहेगा। जबकि कर्क और वृश्चिक राशि वालों पर शनि की ढैय्या चलेगी।

इन राशियों पर रहेगी पैनी नजर

ज्योतिष के अनुसार मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ और मीन राशि वालों पर शनि की पैनी नजर रहने वाली है। जबकि मेष, वृषभ, सिंह और कन्या राशि के जातक शनि की साढ़ेसाती व ढैय्या से छुटकारा पा सकेंगे। यानि इस साल कुल आठ राशि वालों पर शनि की नजर रहेगी, जबकि चार राशियों के लोग शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या से मुक्त रहने वाले हैं। शनि, मिथुन, तुला, कर्क, वृश्चिक धनु, मकर, कुंभ और मीन राशि के लोगों पर अपना प्रभाव डालेंगे, जबकि मेष, वृषभ, सिंह और कन्या राशि वालों पर शनि का कोई भी प्रभाव नहीं रहेगा।

29 अप्रेल को शनि का परिवर्तन

शनिदेव 29 अप्रेल 22 को राशि बदलेंगे। राशि बदलकर शनिदेव कुंभ राशि में आ जाएंगे। बता दें कि शनि देव 2020 से मकर राशि में ही मौजूद है। साल 2021 में शनि का राशि परिवर्तन नहीं हुआ है।

Mangilal Jain
Vinay Jain
(गुड़लीवाला)

Wish You a Happy Republic Day

0294 -2561750
0294 -2420474

Rajesh Metals

Raj Steel

Shop No. 2, 5, Gyan Marg, R.M.V. Road, Udaipur - 313001 (Rajasthan)

राष्ट्रीय दल बनने का 'आप' को मौका

मनोजकुमार मिश्र

दिल्ली में लगातार दो चुनाव में रेकार्ड जीत हासिल करने के बाद देश के पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव ने आम आदमी पार्टी (आप) को राष्ट्रीय पार्टी के रूप में स्थापित होने का मौका दिया है। संयोग से दस फरवरी से सात मार्च 2022 तक चलने वाले विधानसभा चुनाव जिन राज्यों में हैं, उनमें पंजाब में उसे सत्ता का दावेदार माना जा रहा है। अपने वायदे के अनुरूप 'आप' के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के संगरूर से दूसरी बार सांसद बने भगवंत मान को पंजाब में अपनी पार्टी का मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित कर दिया। गोवा और उत्तराखंड में 'आप' की तैयारी मुख्य मुकाबले में आने की है। वहीं देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में वह अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाने में जुटी है। इन राज्यों में शासन करने वाले दलों से कम किसी मायने में 'आप' की चुनावी तैयारी नहीं है। उत्तरप्रदेश काफी बड़ा राज्य है और उस राज्य में अनेक दल पहले से स्थापित हैं। बावजूद इसके 'आप' हर मुद्दे पर सक्रिय होकर अपनी दावेदारी बनाए हुए है। अयोध्या में कथित जमीन घोटाले का आरोप लगाकर 'आप' चर्चा मे आई। दिल्ली के बाद 'आप' को दूसरी सफलता पंजाब में मिली। 2014 के लोकसभा चुनाव में उसे चार सीटें मिली। चारों पंजाब की थी। बाद में दो सांसद 'आप' से अलग हो गए और 2019 के लोकसभा चुनाव में उसे एक सीट ही मिल पाई। 2017 के विधानसभा चुनाव में आप को सत्ता तो नहीं मिली लेकिन वह मुख्य विपक्षी दल बन गया। उस चुनाव में यह वातावरण बन गया था कि शिरोमणि अकाली दल के दस साल के शासन से पंजाब की जनता नाराज है और कांग्रेस कमजोर है, इसलिए आप की जीत होगी। लेकिन चुनाव के आखिरी समय में 'आप' को मिलने वाले विदेशी समर्थन को कांग्रेस आतंकवाद से जोड़ने में कामयाब हो गई। दूसरे आप ने कोई स्थानीय चेहरा मुख्यमंत्री के लिए नहीं पेश किया। जीत कैप्टन अमरिंदरसिंह की अगुवाई में कांग्रेस की हुई। इस बार माहौल बदला हुआ है। 35 सदस्यों वाली चंडीगढ़ नगर निगम में पहली बार चुनाव लड़कर 'आप' सबसे ज्यादा 14 सीटें जीतने में सफल हुई, हालांकि अपना मेयर न बनवा पाने के बाद भी उसके हौंसले बुलंद हैं। पिछले अनुभव के कारण अरविंद केजरीवाल ने आप के विधानसभा चुनाव जीतने पर किसी सिख नेता को मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा की थी। उसी के अनुरूप उन्होंने प्रदेश संगठन के संयोजक और संगरूर से सांसद भगवंत मान को मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित किया। वे सिख हैं और दूसरी बार सांसद बने हैं। जिस बिजली-पानी मुफ्त करने के बूते दिल्ली में भारी जीत पाई, उसे ही चुनाव होने वाले सभी राज्यों में केजरीवाल लगातार दोहरा रहे हैं। दिल्ली में तो दो सौ यूनिट तक बिजली और बीस हजार लीटर पानी हर महीने उपभोग करने वालों के लिए दोनों सेवाएं मुफ्त की गई। दूसरे राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में वे हर महीने तीन सौ यूनिट उपभोग करने वाले को मुफ्त बिजली देने का वायदा कर रहे हैं। 'आप' ने दिल्ली के बाद पंजाब के साथ-साथ गोवा में अपनी पार्टी का विस्तार मजबूती के साथ किया था, लेकिन उसे चुनाव में कोई सफलता नहीं मिली। गोवा को दिल्ली जैसा छोटा राज्य मानकर आप के नेता वहां अपनी सक्रियता लगातार बनाए रखे हुए हैं। उत्तराखंड में भी पार्टी मजबूती से चुनाव मैदान में है। उत्तराखंड में पूर्व सैनिकों की बड़ी तादाद होने के कारण आप ने कर्नल (रिटायर) अजय कोठियाल को मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित किया है। पंजाब के बाद अरविंद केजरीवाल के सबसे ज्यादा दौरे उत्तराखंड में हुए है। भले ही आप नंबर एक पार्टी न बन पाए लेकिन चुनाव को वह कांग्रेस बनाम भाजपा नहीं रहने देने वाली है।

लेकसिटी को लगेंगे विकास के पंख

उमेश शर्मा

उदयपुर में पिछले माह संपन्न 'इन्वेस्ट समिट' में 7390 करोड़ के 83 एमओयू हुए। जिनसे इस शहर को औद्योगिक विकास के नए आयाम मिलेंगे। इसमें एग्रो सेक्टर, ऑटो कम्पोनेंट्स व केमिकल सेक्टर को बूस्ट मिलेगा।

जिला प्रशासन, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग तथा रीको के संयुक्त तत्वावधान में 12 जनवरी को होटल रेडिसन ब्लू में 'इन्वेस्ट उदयपुर समिट' राज्य के राजस्व मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री रामलाल जाट की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उद्योग मंत्री शकुंतला रावत वर्चुअल जुड़ी। समिट को संबोधित करते हुए रामलाल जाट ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में प्रदेश में उद्योगों को बड़ा प्रोत्साहन मिला है। राज्य सरकार की नीति और योजनाबद्ध विकास से अब उदयपुर जिले में औद्योगिक विकास का एक नया युग शुरू हो रहा है, जिसमें उद्यम एवं रोजगार के अवसरों के नए द्वार खुलेंगे। राजस्थान की औद्योगिक नीति पूरे देश में अपनी तरह की अनोखी नीति है, इससे उद्यमियों को विषम स्थितियों में दीर्घकालिक लाभ मिलता है। ऐसे में उद्यमी आगे आएं और निवेश के माध्यम से क्षेत्रीय विकास में अपनी भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि उद्योगों को भूमि, बिजली, सुरक्षा की जरूरत होती है और राज्य सरकार की औद्योगिक नीति इस मायने में उद्यमियों की मददगार है। आज राजस्थान का उद्योग काफी सुरक्षित है और यहां बड़े-बड़े औद्योगिक घराने निवेश कर रहे हैं। जाट ने कहा कि राजस्थान आने वाले समय में बिजली का हब बनने जा रहा है और इससे उद्योगों को बड़ा फायदा होगा। उन्होंने राज्य सरकार के जन घोषणा पत्र के आदर्श सेवा ही कर्म, सेवा ही धर्म का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के साथ ही पुराने उद्योगों की समस्याओं के समाधान का भी ध्यान रखा है। उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री का विजन है कि प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा उद्यमी निवेश कर उद्योग स्थापित करें और उन्हें सरकार की तमाम प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने उद्यमियों को समस्याओं के समाधान के लिए आश्वस्त किया और कहा कि एक ही छत के नीचे उन्हें सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मावली विधायक धर्मनारायण जोशी ने पर्यटन सहित कृषि, मार्बल आदि क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताते हुए उद्योगों को सुविधाएं देने का आग्रह किया। संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने क्षेत्र के औद्योगिक परिदृश्य की जानकारी देते हुए कहा कि यहां निवेश व औद्योगिक विकास की प्रबल संभावनाएं हैं। इन्वेस्ट समिट उद्यमियों को सरकार द्वारा दिया गया बेहतरीन अवसर है और उन्हें इसका लाभ उठाना चाहिए। जिला कलक्टर चेतन देवड़ा ने डबोक एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने की जानकारी दी। राजस्थान फाउण्डेशन के चेयरमैन धीरज श्रीवास्तव ने भी समिट को वर्चुअल संबोधित किया। समिट में वल्लभनगर विधायक प्रीति शक्तावत, उदयपुर सीमेंट के नवीन शर्मा, यूसीसीआई अध्यक्ष कोमल कोठारी, हंसराज चौधरी, बी.एच. बापना, रमेश चौधरी, महेन्द्र टाया, पंकजकुमार शर्मा, यूआईटी सचिव अरुणकुमार हासीजा, एडीएम सिटी अशोककुमार, एडीएम प्रशासन ओ.पी. बुनकर, अतिरिक्त निदेशक (उद्योग) आर.के. आमेरिया, जिला उद्योग केन्द्र की महाप्रबंधक मंजू माली, रीको के वरिष्ठ प्रबंधक संजय नैनावटी, रीको के अतिरिक्त महाप्रबंधक डी.के. शर्मा आदि भी मौजूद थे।

सेक्टर वाइज एमओयू और एलओआई

- समिट में 13 सेक्टर्स की ओर से 464.17 करोड़ की लागत से 83 एमओयू हुए, जसके तहत 10536 जनों को रोजगार दिया जाएगा।
- एग्रो सेक्टर की तरफ से 84.01 करोड़ की लागत के 10 एमओयू हुए, जिससे 317 को रोजगार मिलेगा।
- ऑटो कम्पोनेंट्स की तरफ से 5.1 करोड़ का एक एमओयू जिसमें 20 लोगों को रोजगार मिलेगा।
- केमिकल सेक्टर तरफ से 165.25 करोड़ के 6 एमओयू, जिसें 940 लोगों को रोजगार मिलेगा।
- शिक्षा क्षेत्र में 10 करोड़ का एक एमओयू, जिसमें 100 जनों को रोजगार, इंफ्रास्ट्रक्चर की ओर से 180 करोड़ के दो एमओयू, जिसमें 300 लोगों को रोजगार मिलेगा।
- आईटी सेकटर की तरफ से 19 करोड़ की लागत का एक एमओयू, 250 लोगों को रोजगार मिलेगा।
- मेडिकल की ओर से 371 करोड़ के पांच एमओयू, जिसमें 1480 लोगों को रोजगार मिलेगा।
- मिनरल की ओर से 1470.38 करोड़ की लागत के 11 एमओयू, जिसमें 1081 लोगों को रोजगार मिलेगा।
- माइंस की ओर से 7 करोड़ के एक एमओयू में 25 लोगों को रोजगार
- पेट्रोकेमिकल की ओर से 109.14 करोड़ के 6 एमओयू, जिसमें 470 लोगों को रोजगार मिलेगा।
- रिन्यूएबल एनर्जी की तरफ से 5 करोड़ का एम एमओयू, जिसमें 60 लोगों को रोजगार मिलेगा।
- टेक्सटाइल की ओर से 68.5 करोड़ के 3 एमओयू, जिसमें 230 लोगों को रोजगार।
- पर्यटन सेक्टर की तरफ से 2154.79 करोड़ के 35 एमओयू, जिसमें 5263 लोगों को रोजगार।

उपखण्ड स्तर पर औद्योगिक क्षेत्र

मेवाड़, मेवाड़ (विस्तार), सुखेर, गुड़ली, आईआईडी सेंटर कलड़वास, भामाशाह कलड़वास, कलड़वास (विस्तार), फतहनगर, सनवाड़ व प्रतापनगर में करीब 2212 एकड़ भूमि पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए हैं। वहीं खेरवाड़ा के खेरादीफला, गोगुंदा के नांदेशमा, झाड़ोल के पालयाखेड़ा, ऋषभदेव के रायणा, कोटड़ा के मेरपुर और वल्लभनगर तहसील हेडक्वार्टर पर औद्योगिक क्षेत्र के लिए भूमि चिह्नित की गई है।

परम चेतना ही देवी सरस्वती

ब्रह्मा की सृष्टि में 'मन' का अभाव था। इसी कारण वीणा और वाणी की देवी सरस्वती का अविर्भाव हुआ। ब्रह्मा के कमंडल से उत्पन्न देवी सरस्वती की कृपा दृष्टि-सृष्टि को मधुर, सरस बनाती है। सरस्वती विद्याधन की प्रदाता देवी है। यह एक मात्र ऐसा धन है, जिसे जितना खर्च किया जाए, उसमें उतनी ही वृद्धि होती है।

सूर्यकांत द्विवेदी

बसंत का सीधा सा अर्थ है- सौंदर्य। शब्द का सौंदर्य। वाणी का सौंदर्य। प्रकृति का सौंदर्य। प्रवृत्ति का सौंदर्य।

प्रकृति के आंचल में जब अनेकानेक पुष्प मुस्कुराते हैं, जब कोयल की कूक कानों में मिठास घोलती है, जब पेड़-पुष्प अपना परिधान बदलते हैं और जब वाणी मधुरता का अमृतपान कराती है, तो सुनते-देखते ही पहला ही शब्द निकलता है वाह... अद्भुत... विलक्षण... अनुपम। वास्तव में यहीं बसंत है। तभी तो इसे ऋतुराज की संज्ञा दी गई। ऋतु विचिका में दो ऐसे मास हैं, जो हमारे मन को सीधे-सीधे प्रभावित करते हैं। एक सावन और दूसरा बसंत। दोनों ही मास को साहित्य, समाज, समरसता, संगीत और सकारात्मकता से जोड़ा गया है। कालिदास से लेकर आज तक के तमाम रचनाकारों को ये मास आनंदित करते हैं। बसंत के पर्व का विस्तार अधिक है क्योंकि इससे और भी बहुत से सकारात्मक तत्व जुड़ जाते है।

पहला सवाल है... मनुष्य को क्या चाहिए? क्या केवल रोटी या और भी कुछ। जवाब होगा, रोटी पहले है, लेकिन इससे आगे कुछ और भी जीने के लिए चाहिए। सृष्टि के प्रारंभ में यही सवाल था।

ब्रह्माजी ने सृष्टि की रचना तो कर दी, लेकिन उसमें कहीं भी उत्साह नहीं। चारों ओर निरसता। यथास्थिति। वृक्षों ने आवरण नहीं बदले। जल में तरंग नहीं। मन तत्व तो मानो था ही नहीं। तनधारी जीव तो थे, लेकिन उदासीन। ब्रह्माजी को लगा कि रचना में कुछ न कुछ चूक हो गई। जब मन ही नहीं होगा, तो सृष्टि कैसे चलेगी? बिना मन के मंजिल कहां। नीरसता को तोड़ने के लिए सरसता भी तो आवश्यक होनी चाहिए। गेहूं के साथ गुलाब भी तो होना चाहिए। ब्रह्मा जी ने भगवान शंकर और श्री विष्णु से विचार किया और देवी भगवती का आह्वान किया। सामने देवी का रूप था सरस्वती का। सरस्वती समक्ष थीं। ब्रह्माजी के कमंडल के जल से प्रभावित ब्रह्माजी के निर्देश पर सरस्वती ने सृष्टि समष्टि में सरसता भर दी। नदियां हिलोरे लेने लगीं। सागर का जल चंचल हो उठा। प्रकृति नए रूप में आ गई।

दूसरे चरण में मन की उत्पत्ति हुई। मन की उत्पत्ति होते ही कला और भाव पक्ष का जन्म हुआ। संगीत और साहित्य का जन्म हो गया। तभी तो कहा गया, सहितस्य भाव: साहित्यम्। सहित (कल्याण) का भाव ही साहित्य है।

सकारात्मक ऊर्जा का पर्व

सरस्वती नाम में ही कल-कल करती सरिता है। सरसता आई तो पंचांग से लेकर प्रकृति तक दो पक्ष हो गए। सकारात्मक-नकारात्मक, दीर्घ-लघु, शुक्ल-कृष्ण पक्ष। कला पक्ष-भाव पक्ष। बुद्धि के साथ विवेक। सरस्वती की इसी सकारात्मक और सरसता का नाम बसंत है। ऋतु परिवर्तन का पर्व। ऐसा पर्व जब हर कोई अपने और आसपास के वातावरण को देखकर रीझ जाता है। कलाकार अपनी रचना पर मोहित होता है, तो प्रकृति अपनी रचना पर। चूंकि नीरसता को सरस्वती ने बसंत पंचमी के दिन ही शब्द-सुर-संगीत से तोड़ा था, इसलिए बसंत पंचमी उनकी पूजा का दिन हो गया।

बसंत जब जीवन में उतरता है...

अपने चारो ओर देखें। नई कोंपलें, नए पत्ते और नवपुष्प यही संदेश दे रहे हैं कि बसंत पंचमी नई आशा और नव संकल्प का दिन है। जैसा कि निराला ने सरस्वती से प्रार्थना की है – **'नव गति, नव लय, ताल, छंद नव, नवल कंठ...'** नई उमंग और नए जोश के साथ कुछ अच्छा और बेहतर करने का संकल्प लेना चाहिए। तभी बसंत पंचमी का पर्व अपने वास्तविक अर्थों में सार्थक हो पाएगा। बसंत पंचमी अन्य कारणों से भी महत्वपूर्ण है। इसी दिन भगवान राम ने दंडकारण्य पहुंचकर शबरी के जूठे बेर खाए थे। यह हिंदी साहित्य के आधार स्तम्भ महाप्राण सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की जयंती भी है। बसंत पंचमी के दिन ही होली के लिए लकड़ियां इकट्ठा करने का काम आरंभ होता है। इस दिन प्रकृति अपने सबसे मनोहर रूप में होती है। वातावरण में स्वाभाविक उल्लास होता है।

यह हर्ष और उत्साह का दिन है। और जब मन में उत्साह हो, तो मनु के मतानुसार किसी भी शुभ कार्य के लिए पोथी-पत्रा, मुहूर्त आदि देखने की आवश्यकता नहीं होती। **मनोत्साहे मनु:।** संभवत: इसलिए भी बसंत पंचमी के पवित्र दिन को मुहूर्त के मामले में स्वयंसिद्ध कहा गया है।

क्या कहती हैं देवी सरस्वती

देवी सरस्वती त्रिदेवियों में अग्रणी हैं। सरस्वती देवी शब्द साधना की देवी हैं। वह संगीत की देवी हैं। वह साहित्य की देवी हैं। वह विद्या, बुद्धि, विवेक की देवी हैं। उनकी कृपा के बिना कुछ संभव नहीं। शब्द उनकी संहिता है। इसलिए शब्द संसार है। शब्द ही मान है, सौंदर्य है, ज्ञान-विज्ञान का आधार है। शब्दों की कोई सीमा नहीं। वह आद्यांत हैं। शब्द कभी मरते नहीं। वह किसी न किसी रूप में हमारे साथ रहते हैं। जिस प्रकार वीणा के तार अलग-अलग होते हुए भी एक सुर में सजते हैं, उसी प्रकार हमारी वाणी भी शब्दों में सजती है। जब तक वीणा के तारों को नहीं छेड़ा जाता, संगीत पैदा नहीं होता। रूप, रस, छंद अलंकार ही तो शब्द हैं। फिर चाहे वे शब्द संगीत के रूप में, विद्या के रूप में हों, ज्ञान-विज्ञान के रूप में हों। इसलिए देवी भगवती एक हाथ में वीणा लिए रहती

है। बहुमुखी प्रतिभा प्रदान करने वाली देवी भगवती सरस्वती का स्वरूप शांत और सौम्य है। उसमें उग्रता नहीं। सोना-चांदी नहीं, विद्या का धन है। ऐसा धन, जिसे जितना खर्च करो, वह बढ़ता है। उनके हाथों में अस्त्र भी अद्भुत हैं- वीणा, माला और पुस्तक। वीणा सरसता की प्रतीक है, माला निरंतरता और ध्यान की और पुस्तक ज्ञान की। जिसके पास ये अस्त्र हों, उसे क्या चिंता। तभी तो कलम को अस्त्र की संज्ञा दी गई है। उनकी सवारी राजहंस है, जो सौंदर्य और मधुरता का प्रतीक है। ब्रह्माजी की जिह्वा से प्रकट होने के कारण उनको उनकी पुत्री माना गया। कुछ जगह उनको मुरारी वल्लभ भी संबोधित किया गया है। कहीं-कहीं वह विष्णु से भी जुड़ी मानी गई हैं। सरस्वती देवी के चार प्रमुख आयाम हैं- वाणी, शारदा, वागेश्वरी और वेदमाता। उनका निवास ब्रह्मलोक है। देवी शास्त्र में उनको एक अन्य रूप में विष्णुजी के साथ बैंकुंठ धाम की अधिष्ठात्री माना गया है। तभी तो कहा गया.... प्रणो देवी सरस्वती। परम चेतना का नाम ही सरस्वती।

दरगाह में पीली चादर और बसंत

दिल्ली में चिश्ती घराने के चौथे संत हजरत निजामुद्दीन औलिया की दरगाह है। वे कवि अमीर खुसरो के गुरु भी थे। इस दरगाह में बसंत पंचमी धूमधाम से मनाई जाती है। साल भर हरी चादर चढ़ाने वाली यह जगह इस दिन पीले फूलों की चादर से सुवासित रहती है। लोग वासंती गीतों को गाने-सुनने का आनंद उठाते हैं। इसके पीछे एक रोचक कहानी है। औलिया का एक दुलारा भांजा था तकीउद्दीन। वह अचानक चल बसा। निजामुद्दीन इतने दुखी हुए कि सुध-बुध खो बैठे। न किसी से बोलते न हंसते। उनकी यह हालत देख उनके शिष्य अमीर खुसरो परेशान थे। हर संभव कोशिश के बावजूद गुरु हंसे नहीं। तभी नई उम्मीद लेकर आया बसंत।

प्रकृति के मनमोहक दृश्य के बीच एक दिन औरतों का एक समूह पीली साड़ी पहने पीले फूल लिए गाते-झूमते खुसरा को दिखा। सभी खुश नजर आ रही थी। अमीर खुसरो ने सोचा क्यों न अपने गुरु के लिए मैं कुछ ऐसा करूं। फिर क्या था। उन्होंने भी पहन लिया पीला घाघरा, ओढ ली पीली चुनरिया। हाथों में पीले फूल और चेहरे पर शृंगार कर पहुंच गए अपने गुरु को रिझाने। उन्हें इस तरह देख गुरु खुद को हंसने से रोक न पाए। तभी से उन्होंने हर साल बसंत पंचमी मनाने की परम्परा शुरु की।

प्रत्यूष

विद्या प्रचारिणी सभा शताब्दी महोत्सव

पंचकुण्डीय यज्ञ से आयोजन का आगाज

विद्या प्रचारिणी सभा भूपाल नोबल्स संस्थान ने 99 वर्ष पूर्ण कर 100वें वर्ष में प्रवेश किया। इस मौके पर संस्थान शताब्दी स्थापना वर्ष महोत्सव की भव्य शुरूआत हुई। मुख्य अतिथि मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार की सदस्य निरूपमा कुमारी मेवाड़ व महिमा कुमारी मेवाड़ तथा विशिष्ट अतिथि साध्वी भुवनेश्वरी पुरी थीं।

अतिथियों ने वार्षिक आयोजन के कैलेण्डर का विमोचन किया। शताब्दी महोत्सव पंचकुण्डीय हवन के साथ शुरू हुआ। अतिथियों ने शताब्दी वर्ष महोत्सव का गुब्बारा भी छोड़ा।

पूर्व राजवंश की बदौलत

संस्थान के कार्यवाहक अध्यक्ष प्रदीपसिंह सिंगोली ने कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि यह संस्थान अपना शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है। यह संस्थान मेवाड़ के पूर्व राजवंश की बदौलत है और इसकी उन्नति प्राण प्रण से समर्पित हुए बिना संभव नहीं थी। यहां के विद्यार्थी देश विदेश में संस्थान व मेवाड़ की ख्याति फैला रहे हैं।

संयुक्त मंत्री शक्तिसिंह कारोही ने शताब्दी वर्ष की रूपरेखा के संबंध में जानकारी दी और कहा कि हमारा यह प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी इसमें हो। देश-विदेश में प्रवासरत पूर्व विद्यार्थियों को भी आमंत्रित कर आयोजन को गरिमामय बनाया जाएगा।

पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष गुणवंतसिंह झाला, उपाध्यक्ष भगवानसिंह भाटी, संयुक्त मंत्री शक्तिसिंह राणावत, उपमंत्री एवं प्रबंध निदेशक मोहब्बतसिंह राठौड़, वित्तमंत्री डॉ. दरियावसिंह चुण्डावत, ऑल्ड बॉयज एसोसिएशन के अध्यक्ष एकलिंग सिंह झाला का स्वागत किया गया।

सौ वर्ष की गौरव गाथा

बीएन पीजी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. युवराजसिंह झाला ने विद्या प्रचारिणी सभा भूपाल नोबल्स संस्थान के निर्माण से लेकर 100 वर्षों तक पहुंचने की गौरवगाथा बताई। झाला ने कहा कि महाराणा भूपालसिंह ने मई 1947 में ही प्रताप विश्वविद्यालय की परिकल्पना की थी और उसके लिए बजट की घोषणा भी की। जो परिकल्पना 2016 में भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के रूप में साकार हुई है। उन्होंने संस्था के लिए पूर्ण रूप से समर्पित स्व. गुमानसिंह व स्वरूपसिंह ज्ञानगढ़ को नमन किया।

दो छात्रों से शुरुआत

जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने संस्थान के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दो छात्रों से शुरू होने वाले इस संस्थान में वर्तमान में तेरह हजार विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

वर्ष भर होंगे आयोजन

प्रबंध निदेशक मोहब्बतसिंह राठौड़ ने बताया कि संस्थान के शताब्दी महोत्सव के भव्य शुभारंभ के साथ ही साल भर अनेक आयोजनों की शुरुआत हो गई है। विभिन्न क्षेत्रों के जाने-माने विचारकों, राजनेताओं के विचारों के आदान-प्रदान के साथ खेलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजन की योजना है।

कन्या शिक्षा में योगदान

संस्थान सचिव डॉ. महेन्द्रसिंह राठौड़ ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह गौरव की बात है कि संस्था 100 वर्ष की अनवरत यात्रा करते हुए आज अपने प्रगतिशील रूप में क्रियाशील है। वर्तमान में संस्थान में चौदह शैक्षिक-सहशैक्षिक प्रवृत्तियां संचालित हैं और इनका कन्या शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि दस हजार रुपए के आर्थिक सहयोग से यह संस्थान प्रारंभ हुआ था।

संस्थान उपाध्यक्ष भगवतसिंह नेतावल ने आभार जताया। इस मौके पर विद्या प्रचारिणी सभा के सदस्य व कार्यकारिणी ओल्ड बॉयज एसोसिएशन के पदाधिकारी सहित कई गणमान्य मौजूद थे।

शताब्दी यात्रा बड़ी उपलब्धि

महिमा कुमारी मेवाड़ ने कहा कि महाराणा भूपालसिंह शिक्षा के प्रति दूरदृष्टि रखते थे। यह उसी का परिणाम है कि भूपाल नोबल्स संस्थान 2 जनवरी 1923, में स्थापित होकर 2022 में स्थापना का शताब्दी महोत्सव मना रहा है। उन्होंने कहा कि महाराणा भूपालसिंह का आधुनिकीकरण के प्रति विशेष लगाव था। वे सदैव नई तकनीक सीखने का आह्वान करते रहे। महिमा जी ने संस्थान अध्यक्ष एवं बीएन संस्थान के प्रधान संरक्षक महेन्द्रसिंह जी मेवाड़ की ओर से प्रेषित शुभकामना संदेश देते हुए कहा कि किसी भी संस्था के लिए 100 वर्ष की लम्बी यात्रा पूर्ण करना बहुत बड़ी उपलब्धि है।

समझ और संस्कार जरूरी

भुवनेश्वरी पुरी ने कहा कि शिक्षा में समझ और संस्कार आवश्यक है। विद्या प्रचारिणी सभा शिक्षा के क्षेत्र में जो कार्य कर राष्ट्र सेवा कर रही है, वह सराहनीय है। उन्होंने भगवान राम, कृष्ण, महाराणा प्रताप व शिवाजी को याद किया और कहा कि वर्तमान में धैर्य व ज्ञान की महती आवश्यकता है।

रिपोर्ट : राजवीर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.

राष्ट्रभक्ति के तराने हम गाएं, सब मिलकर भारत महान बनाएं
देखे थे जो सपने शहीदों ने, वैसा भारत राष्ट्र बनाएं

इन सुविधाओं के साथ त्वरित बैंकिंग सुविधा

Mobile Banking & IMPS	Physical to Digital Banking	Debit Card	Education Loan, House Loan Vehicle Loan, All Business Loan

एडवोकेट विमला सेठिया	शिवनारायण मानधना	डॉ. आई.एम. सेठिया	वंदना वजीरानी
चेयरपर्सन	उपाध्यक्ष	संस्थापक अध्यक्ष	प्रबंध निदेशक

डॉ. महेश सी. सनाढ्य, हस्तीमल चोरड़िया, शांतिलाल पुंगलिया, आदित्येन्द्र सेठिया, विनोद आंचलिया, राधेश्याम आमेरिया, सुनीता सिसोदिया, चांदमल नंदावत, बालकिशन धूत, रणजीतसिंह नाहर, सीए बालकृष्ण डाड एवं समस्त अरबन बैंक परिवार।

प्रधान कार्यालयः केशव माधव सभागार परिसर, एनसीएस सिटी, चित्तौड़गढ़, मो. 8003590333

हमारी शाखाएं

एस.एस. प्लाजा, स्टेशन रोड	दक प्लाजा, हॉस्पीटल रोड	सर्वोदय साधना संघ	मण्डी चौराहा	मिस्त्री मार्केट
कपासन	बड़ीसादड़ी	चंदेरिया	निम्बाहेड़ा	बेगूं

कोरोना वेक्सीन अवश्य लगवाएं, घर से बाहर मास्क अवश्य पहने, सोशल डिस्टेंस रखें।

Dilip Galundia
Director

NPL

NANO POLYPLAST PRIVATE LIMITED

A-104, 1st Floor, GLG Complex, Dr. Shurveer Singh Marg,
Fatehpura, Udaipur - 313004 (Rajasthan)) India
Ph.: +91 294 2452626/27, Mobile: +91 98290 95489
Fax: +91 294 2452005 Website: www.galundiagroup.com
E-mail: sales@galundiagroup.com, nanoplast@yahoo.co.in

बड़े सितारों की बड़ी फिल्में

पूनम गोस्वामी

मिसेज चटर्जी वर्सेज नार्वे

बंटी और बबली 2 का कारोबार भले ही उत्साहजनक नहीं रहा हो, मगर फिल्म में प्रमुख भूमिका निभाने वाली रानी मुखर्जी उत्साह से नई फिल्में साइन कर रही हैं। उनकी नई फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नार्वे' की घोषणा की गई है। यह फिल्म 20 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म वास्तविक घटनाओं पर आधारित बताई जाती है। फिल्म एक पूरे देश के खिलाफ मां के संघर्ष की कहानी है, जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बच्चों और मानवाधिकारों को हिलाकर रख दिया। फिल्म का निर्माण मोनिशा अडवानी, मधु भोजवानी और निखिल अडवानी की कंपनी एम्मे एंटरटेनमेंट और जी स्टूडियोज ने किया है।

कंगना की 'तेजस' अक्टूबर में

कंगना रनौत की फिल्म 'तेजस' देशभर के सिनेमाघरों में अक्टूबर में रिलीज होगी। रोनी स्क्रूवाला की कंपनी आरएसवीपी मूवीज ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर इंस्टाग्राम पर यह घोषणा की। फिल्म में रनौत के चित्र को साझा करते हुए स्टूडियो ने पोस्ट में कहा 'आपके सामने पेश है एक ऐसी महिला की कहानी जिसने आकाश को राज करने के लिए चुना। भारतीय वायु सेना को समर्पित तेजस दशहरे पर 5 अक्टूबर को रिलीज होगी। फिल्म का निर्माण सर्वेश मेवारा ने किया है और इसमें रनौत ने वायुसेना पायलट की भूमिका निभाई है।

पीवी नरसिंह राव पर वेब सीरीज

निर्माता अलु अरविंद और प्रकाश झा मिलकर पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव पर एक वेब सीरीज का निर्माण करेंगे। अरविंद का कहना है कि राव ने देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव किया मगर उन्हें इसका जितना श्रेय मिलना था, नहीं मिला। उनसे कहीं ज्यादा श्रेय पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह को दिया जाता है। इस वेब सीरीज में नरसिंह राव के राजनीतिक सफर को दिखाया जाएगा। 16 भाषाएं जानने वाले नरसिंह राव पर बनने वाली वेब सीरीज हिंदी के अलावा तमिल और तेलुगू में भी तैयार की जाएगी।

500 करोड़ की 'द रेलवे मैन'

आदित्य चौपड़ा की कंपनी यशराज फिल्म्स ओटीटी फिल्म के लिए 500 करोड़ का निवेश करने जा रही है। इसके तहत कंपनी की पहली वेब सीरीज होगी 'द रेलवे मैन' जिसमें माधवन और केके मेनन की प्रमुख भूमिकाएं होंगी। 'द रेलवे मैन' भोपाल में 1984 में हुई गैस त्रासदी के गुमनाम नायकों को श्रद्धांजलि होगी। इस सीरीज में आर माधवन, केके मेनन के अलावा दिव्येंदु शर्मा और बाबिल खान भी काम करेंगे। यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) के कीटनाशक संयंत्र में दो-तीन दिसम्बर 1984 की मध्यरात्रि को मिथाइल आइसोसाइनेट गैस के रिसाव से पांच लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए थे जबकि 15,000 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। शिव रवैल इस सीरीज का निर्देशन करेंगे। इस सीरीज का प्रसारण दिसम्बर 2022 में होगा।

Khiv Singh Rajpurohit
(Managing Director)
94141-04766

BKMGPL

All Kinds of Marble and Granite Block, Slabs & Tiles

BALAJI KRIPA MARBLE & GRANITE PVT. LTD.

398-399, Sukher Industrial Area, Sukher, Udaipur (Rajasthan) India
Phone : +91-294-2442370, Fax : +91-294-2441773
e-mail: balajikripa.udr@gmail.com

'जुगनू' के लिए जानलेवा साबित हो रहे कीटनाशक

राहुल गिरी

रात के अंधेरे में टिमटिमाने वाले जुगनू विलुप्तिकरण की कगार पर हैं। खेतों में रासायनिक खाद और कीटनाशकों के भारी-भरकम प्रयोग ने उनके अस्तित्व को नुकसान पहुंचाया है। आने वाले समय में बच्चे कुदरत के उड़ते रेडियम को नहीं देख पाएंगे। यह खुलासा वन विभाग की हालिया रिपोर्ट से हुआ है। इस रिपोर्ट में रासायनिक खादों, कीटनाशकों और प्रदूषण के बढ़ते स्तर को जुगनू के खत्म होने का कारण बताया गया है।

निरंतर बढ़ता शहरीकरण, खेतों का खत्म होना, फसलों में अत्यधिक कीटनाशकों का प्रयोग, जंगलों-पेड़ों का कटना और बढ़ता प्रदूषण जुगनुओं को ही नहीं और भी न जाने कितने जीव-जंतुओं को लील गया है। नदियों-तालाबों को पाट कर नई-नई कॉलोनियों और अपार्टमेंट विकसित किए जा रहे हैं। खेतों को खत्म किया जा रहा है। ऐसे में जुगनुओं का विलुप्त होना अधिक आश्चर्य पैदा नहीं करता। इसके साथ ही मोबाइल टावर से निकलने वाली विकिरणों ने भी जुगनुओं को नुकसान पहुंचाया है।

12 साल तक जिंदा रहते हैं

■ जुगनू की दो नस्लें पाई जाती है, लैपरिड और क्लिक बीटल

■ इनकी न्यूनतम उम्र एक दिन और अधिकतम 12 साल होती है

■ बरसात की शुरुआत में जुगनू पेड़ों की छाल के अंदर अंडे देते हैं

■ अगस्त और सितंबर माह में इन अंडों से नए जुगनू पैदा होते हैं

इन रसायनों से नुकसान

पर्यावरणविद सुबोधनंदन शर्मा के अनुसार किसान अपनी फसलों को कीड़ों से बचाने के लिए कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करते हैं। इनमें मौजूद इमिडाक्लोप्रिड, डाइमिथोएट, रोगोर, मोटाराइजियम, बायेरिया सहित अन्य रसायन जीव-जंतुओं के लिए खतरनाक हैं। उनके उपयोग से जुगनू ही नहीं, बल्कि अन्य जीव भी धरती से विलुप्त हो रहे हैं।

प्रदूषण से घटी प्रजनन क्षमता

अमेरिका स्थित टफ्ट्स यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर सारा लुईस के मुताबिक जुगनू आबादी से बाहर निकल रहे हैं। इसकी बड़ी वजह बढ़ता प्रदूषण और कीटनाशकों का ज्यादा इस्तेमाल होना है। बढ़ते औद्योगिकीकरण से उपजे प्रकाश प्रदूषण के चलते जुगनू की प्रजनन क्षमता पर नकारात्मक असर पड़ा है। उनकी आबादी लगातार घटती जा रही हैं।

ऐसे चमकते हैं जुगनू

■ जुगनू के शरीर में फॉस्फोरस मौजूद होता है, जिसकी वजह से वे चमकते हैं।

■ ल्युसिफेरेस नामक प्रोटीन की मौजूदगी के कारण भी जुगनू टिमटिमाते रहते हैं।

■ फॉस्फोरस और ल्युसिफेरस की रासायनिक क्रिया से ही जुगनू का रंग हरा, पीला, लाल होता है।

दलदली इलाकों में मिलते हैं

■ जुगनू समशीतोष्ण और उष्णकटिबंधीय इलाकों में पाए जाते हैं।

■ इन्हें दलदल व गीली लकड़ी वाले क्षेत्रों में ज्यादा देखा जाता है।

1667 में सामने आया था अस्तित्व

रॉबर्ट बायल नाम के जीव वैज्ञानिक ने साल 1667 में रात में झाड़ियों के झुरमुट में चमकने वाले इन कीटों का पता लगाया था। जुगनू रात में जागते हैं यानी वे रात्रिचर जीवों में आते हैं।

मादा जुगनू के पंख नहीं होते

खास बात यह है कि मादा जुगनू के पंख नहीं होते। इसलिए वे एक स्थान पर ही बैठकर चमकती रहती हैं, जबकि नर जुगनू उड़ते हुए चमकते हैं।

इन देशों में ज्यादा टिमटिमाते हैं

जुगनू दक्षिण अमेरिका और वेस्टइंडीज में बहुतायत मिलते हैं। भारत में भी इन्हें किसी समय काफी संख्या में देखा जाता था, खासकर बरसात के बाद।

Happy Republic Day

Hemant Chhajed
Director

Uday Microns Private Limited

Manufacturer of High Grade Micronised Talc,
Soapstone, Calcite, Dolomite
and Chinaclay Powder

Mob. : 94141 60757, Fax : 2525515, Email : udaymicrons@yahoo.co.in
Fact.: E-277 Road No. 4, Bhamashah Industrial Area, Kaladwas, Udaipur (Raj.)

दी बांसवाड़ा सैंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि.

दूरभाष: 02962-242973, 243784 फैक्स: 02962-241375
वेबसाइट: www.banswaraccb.com ई-मेल: ccb_banswara@gmail.com

प्रगति के बढ़ते आयाम

संग्रहित लाभ	जमाएं	ऋण व्यवसाय	कार्यशील पूंजी
504.55 लाख	33016.88 लाख	24755.25 लाख	64736.15 लाख

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

विपरीत आहार सेहत के लिए घातक

डॉ. देशबंधु

बड़े बुजुर्गों से प्रायः हिदायत मिलती है कि भोजन आराम से करो, खड़े-खड़े पानी मत पीओ। दही और दूध की चीजें साथ-साथ न लो। ऐसी ही कुछ बातें अक्सर सुनने में आती हैं कि किसके साथ क्या नहीं खाना चाहिए। प्रत्येक खाद्य पदार्थ की प्रकृति और प्रभाव अलग होता है।

यह सब हमारे पूर्वजों के बहुत गहरे से विचार है- किसके साथ क्या खाना है और किसके साथ क्या नहीं खाना चाहिए। क्योंकि प्रकृति में सब भिन्न-भिन्न है यही बात खाद्य पदार्थों के साथ लागू होती है। खाद्य पदार्थ एक-दूसरे में कोई गरम प्रकृति रखता है और कोई ठंडी। हर खाद्य पदार्थ का सामंजस्य दूसरे के साथ पूरा हो ये संभव नहीं है। इसी प्रकार कुछ खाद्य पदार्थ एक-दूसरे के विपरीत होते हैं उन्हें साथ-साथ खाना निषेध है।

परस्पर विपरीत प्रकृति पदार्थों का साथ-साथ सेवन करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। ये हमारे शरीर में कई रोगों को जन्म दे सकते हैं। चर्मरोग, बवासीर, एसिडिटी, सफेद दाग, पेट के रोग आदि बीमारियां संभव है। आजकल विरोधी आहार की न कोई चिंता है और न ही इसकी जानकारी रखता है। शादी समारोह में हम क्रम से खाद्य पदार्थ खाना शुरू करते है और अधिकांश चाट-पकौड़ी-जलेबी-दूध-दही वाली चाट सबका स्वाद लेकर भोजन लेना चाहते हैं। उसके पश्चात मिठाई, सब्जी फिर गरम दूध से उसका समापन करना चाहते हैं। हम यहां पर आइसक्रीम और काफी का जिक्र करना भूल गए। यह सब आहार एक साथ करना विषैला हो सकता है। आपने स्वयं महसूस किया होगा कि भोजन के अगले दिन आपका पेट खराब हो रहा है, उल्टी हो रही है या उल्टी का सा मन हो रहा है। आप यह सोचकर जाते हैं कि आज शादी-सगाई-समारोह में कम खाएंगे। संभव है, कम खाएं लेकिन तब भी परिणाम अच्छे नहीं होते विपरीत होते हैं।

विपरीत आहार

1. दूध के साथ नमक निषेध है। इसी प्रकार नमक से बने पदार्थ नमकीन इत्यादी भी।
2. दूध के साथ खटाई भी निषेध है। चाट-पकौड़ी-आलू टिकिया आदि। छोटे बच्चों को आलू की चिप्स के साथ दूध ना पिलाएं।
3. दूध के साथ-साथ दूध वाले फल-सब्जियां जैसे कटहल आदि का सेवन ना करें।
4. कंदों के साथ या तुरंत बाद दूध निषेध है। मूली या मूली से निर्मित आहार, शकरकंद, कमल ककड़ी इन कंदों को या इनसे निर्मित आहार के पश्चात दूध न लें।
5. दूध व दूध से निर्मित वस्तु के पश्चात संतरे का जूस या कैरी की छाछ-खट्टे आहार निषिद्ध हैं।
6. रात में दही निषिद्ध है। संभव हो तो रात में गुनगुना दूध लें।
7. दही को फ्रिज से निकालकर स्वाभाविक से नार्मल होने दें। उसे आंच पर या ओवन में कभी गर्म न करें।
8. मछली सेवन के उपरांत दूध सेवन अत्यंत विषाक्त हो सकता है। इसके सेवन से गहन रक्त विकार, त्वचा विकार हो सकता है।
9. दही व शहद साथ-साथ बराबर मात्रा में सेवन करने से विष का कार्य करते हैं। दही के समान शहद को भी कभी आंच पर गर्म नही किया जाता है।
10. साउथ इंडियन भोजन या गुजराती व्यंजन जो कि खमीर उठाकर तैयार किए जाते हैं, उनमें दूध निषिद्ध है।

रणजीतसिंह सरूपरिया
प्रवीन सरूपरिया
दिव्य सरूपरिया

94140 59898
76656 61567
77422 88355

KKS

कन्हैयालाल खुबीलाल
सरूपरिया (ज्वेलर्स)

An Exclusive Showroom of Gold
Diamond & Silver Ornaments

मालदास स्ट्रीट कॉर्नर, बड़ा बाजार
उदयपुर (राज.) 313 001

Happy Republic Day

Lalit Sahlot
Director

PERFECT PLANNER

Acrhitectural
Consultant

- Drawings
- Super Vision
- Design
- Vastu
- 3D View

77-Chetak Circle, Opp. HDFC Bank, Udaipur
Ph. : 0294-2429184, Mob. : 94142 39001

शांत स्वभाव दीर्घजीवी कछुआ

उमासिंह चौहान

कछुए अपना सिर और पैर शरीर से बाहर निकाल लते हैं तो कुछ सिर व पैर हरदम शरीर से बाहर ही रखते हैं। यह उनकी प्रजातियों पर निर्भर करता है। भारत में खास तौर से कछुए की पचपन प्रजातियां पाई जाती हैं। इनका वास्तुशास्त्रियों ने भी बड़ा महत्व माना है।

कछुआ को शुभंकर कहा जाए तो शायद कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। कछुआ सामान्य तौर पर शांत स्वभाव वाला एवं दीर्घजीवी जल-जंतु है। कछुए जंगल के तालाब जलाशयों में मिल जाएंगे तो गांव-गिरांव की ताल तलैया व पोखरों में भी खदर-बदर करते दिख जाएंगे। इतना ही नहीं ड्राइंग रूप में रखे आलीशान एक्वेरियम में भी जलक्रीड़ा करते तैरते छोटे-छोटे कछुए दिख जाएंगे। वैसे तो कछुए की करीब सवा दो सौ प्रजातियां होती हैं, लेकिन हमारे यहां करीब पचपन प्रजातियां ही पाई जाती हैं।

कछुए का शरीर खास तौर से कड़े कवच से ढका रहता है जिससे उसके ऊपर हमले या चोट का कोई असर नहीं होता जबकि नीचे का हिस्सा सामान्य होता है, जिससे उसकी जान को कोई खतरा नहीं रहता। कछुए के चार पैर होते हैं। प्रत्येक पैर में पांच-पांच नाखून होते हैं। पंजों में जालीनुमा संजाल होता है। कुछ कछुए अपना सिर व पैर शरीर से बाहर निकाल लेते हैं तो कुछ अपना सिर व पैर शरीर से बाहर ही रखते हैं। यह सब उनकी प्रजातियों पर निर्भर करता है। सबसे भारी व वजनदार समुद्री कछुए होते हैं। क्योंकि समुद्री कछुए की लम्बाई आठ फुट तक होती है तो वजन 75 किलो तक होता है। मादा कछुआ अंडों व बच्चों का खास ख्याल रखती है। मादा अंडा देने के समय मिट्टी को खोद कर गड्ढा करती है। गड्ढे में अंडा देने के बाद उसे मिट्टी या बालू से ढक देती है जिससे अंडे सुरक्षित रहें। मादा कछुआ एक बार में एक से तीस तक अंडे देती है। यह अक्सर रात में अंडे देती है। अंडों से बच्चे 60 से 120 दिन में निकलते हैं। कछुआ को सामान्यत: नदियों का सफाईकर्मी माना जाता है क्योंकि इन्हें नदियों की गंदगी साफ करने में सहायक माना जाता है। कछुए शाकाहारी व मांसाहारी दोनों ही होते हैं, लेकिन दोनों की प्रजातियां अलग-अलग होती हैं। कछुओं का वास्तुशास्त्र में भी विशेष महत्व है।

लहर

ऐ! उछलती लहर
जरा संभल कर चल
तू लहर तो कोई समन्दर है
तू सीने पर चलती है
कोई धरती पर अटल है

भर ले तू उड़ान
समय अभी तेरा है
इधर क्या उधर क्या
बसेरा सब जगह तेरा है

लहर पहली क्या दूसरी क्या
हवा में तुझे चलना है
चल जितनी चल सके तू
आखिर तुझे चलते–चलते ही
किनारे लगना है।

कोई लहर अब कोरोना है
उसे भी किनारे लगना है
भले ही टक्कर खाए मानव कश्ती से
लौट कर उसे ही तो जाना है

क्यों घबराएं हम
कश्तियां क्या लहरों से घबराती हैं
अरे चलती दोनों समन्दर में हैं
जीतती कश्तियां हारती लहरें हैं।

डॉ. हुकुमसिंह चम्पावत

With Best Compliments

नीलकण्ठ

फर्टिलिटी एण्ड वुमन केयर सेन्टर

डॉ. आशिष सूद

सलाहकार इंटेंसिविस्ट और एनेस्थेटिस्ट

टॉल फ्री नं. : 1800 30020 190
वर्तमान / पूर्व रोगी : +91-97846.00614
अपोईन्टमेन्ट : 0294-6530105, 2442595

Neelkanthfertility@gmail.com
www.Neelkanthivfcentre.com

10-11, स्वामी नगर, डॉक्टर्स लेन, RSEB ऑफिस के पास,
सेलिब्रेशन मॉल के पीछे, भुवाणा, उदयपुर (राज.)

http://www.facebook.com/NeelkanthfertilityHosital
https://www.youtube.com/UCOin3codfuZjYyPWTVAob8w

वासंती रसोई

चंदा नागदा

प्रकृति सरसों के पीले फूलों की चादर ओढ़े मुस्करा रही है। इन्द्रधनुषी रंगों के पुष्पों से लकदक वसंत का मौसम महक उठा है। आप भी अपनी रसोई में पीली-पीली और महकी रेसिपी बनाकर वसंत का स्वागत करें।

बसंती लड्डू

सामग्री: 300 ग्राम बेसन, 300 ग्राम सूजी, 300 ग्राम मूंग की धुली दाल, 300 ग्राम उड़द की धुली दाल, 300 ग्राम नारियल कसा हुआ, 600 ग्राम मावा, चीनी अपने स्वाद के मुताबिक, 1 किलो घी, कुछ चांदी के वर्क।

विधि: मूंग की दाल और उड़द की दाल को अलग-अलग बरतनों में पानी डालकर 10 घंटों तक भिगो दें। भीगने के बाद दोनों अलग-अलग पीसें। मूंग की दाल थोड़ी मोटी और उड़द की दालत महीन पीस लें। अब कड़ाही में घी गरम करके दोनों को अलग-अलग भून लें। उनमें मावा डालकर दोनों को मिलाकर 5-7 मिनट तक भूनें। बेसन और सूजी को भी एक साथ मिलाकर गरम घी में भूनकर गुलाबी रंग का कर लें। चीनी की तीन तार की चाशनी बना लें। फिर मावा चीनी, भूनी दालें, बेसन व सूजी तथा कटे हुए मेवे को एक साथ मिलाकर हाथ से खूब मले, जिससे सभी वस्तुएं एक सार हो जाएं, तब लड्डू बांध लें। ऊपर से चांदी के वर्क सजा दें, बसंती लड्डू तैयार हैं। खाएं और खिलाएं भी।

हांडवो

सामग्री: चावल-एक कप, चना दाल 1/4 कप, उड़द की दाल 1/4 कप, मूंग की दाल 1/4 कप, दही 1/4 कप, हल्दी पाउडर 1/2 छोटा चम्मच, खाने का सोड़ा चुटकी भर, लाल मिर्च पिसी-1/2 छोटा चम्मच, नीबूं का रस एक छोटा चम्मच, राई 1/2 छोटा चम्मच, टमाटर एक कटा हुआ।

विधि: चावल को 5 से 6 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। सारी दालों को भिगो दें। फिर सारी चीजों को मिलाकर पीस लें। इसमें दही मिलकर 8 घंटे के लिए ढककर रख दें। इसमें नमक, राई, सोड़ा, लाल मिर्च मिलाकर 15 मिनट तक इडली या खमन ढोकले की तरह भाप में पकाएं। इस पर टमाटर, हरी मिर्च और सॉस डालकर सर्व करें।

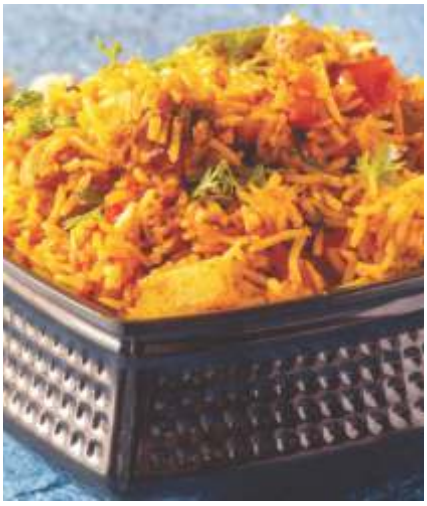

सूरजमुखी पुलाव

सामग्री: चावल 2 कप, बेबीकॉर्न 1/2 कप, पनीर के टुकड़े 1/2 कप, टमाटर-2 कटे हुए, हरी मिर्च लंबी कटी हुई-2, नींबू का रस-एक छोटा चम्मच, नमक एक छोटा चम्मच, पावभाजी मसाला-डेढ़ छोटा चम्मच, लाल मिर्च पीसी 1/2 छोटा चम्मच, घी 1/2 कप, टमेटो सॉस एक छोटा चम्मच।

विधि: चावल उबाल लें। बेबीकॉर्न को भी अलग से उबाल लें। एक कड़ाही में घी डालें। उसमें राई तड़कने पर हरी मिर्च, टमाटर, बेबीकॉर्न, पनीर, चावल सभी मसालें, नींबू का रस और सॉस डालकर चला लें। गरमा गरम सर्व करें।

केसरिया बड़ा

सामग्री: 1 किलो चावल, सवा लीटर दूध, 250 ग्राम घी, 250 ग्राम चीनी, 25-30 धागे केसर, मावा अंदाज से, चिरौंजी, किशमिश 15-15 ग्राम, 2 छोटे चम्मच इलाचयी पाउडर।

विधि: सबसे पहले आंच पर कड़ाही रखकर उसमें 100 ग्राम घी और चावल को धोकर डाल दें, जब चावलों का रंग गुलाबी हो जाए तो उसमें अंदाज से पकने भर का पानी डाल दें। जब चावल पक जाएं तो उन्हें आंच से उतारकर महीन पीस लें। मावा हल्का सा भूनकर 100 ग्राम चीनी तथा सभी मेवों सहित दूध में डालकर धीमी-धीमी आंच पर पकने के लिए रख दें। जब दूध पककर आधा रह जाए तो उसमें केसर घोट लें और चीनी भी अच्छी तरह मिला लें। बाद में आंच से नीचे उतार लें। अब पिसे हुए चावलों की लोई बना मिश्रण व इलायची पाउडर भर दें और इसे घी में डालकर धीमी-धीमी आंच पर तल लें, तलने के बाद लोई दूध में डालती जाएं। तैयार होने के बाद 25 मिनट उपरांत केसरिया बड़ा खाएं और खिलाएं भी।

मोहन मिठाई

सामग्री: चने का आटा 400 ग्राम, मावा 150 ग्राम, चीनी 250 ग्राम, घी 15 मिली, पिस्ता 75 ग्राम, बादाम 75 ग्राम।

विधि: सबसे पहले आंच पर कड़ाही रखकर चने के आटे में घी डालकर सुनहरा होने तक भून लें। मावे को कसकर इस मिश्रण में डालें और आंच से उतार लें। चीनी की एक तार की चाशनी तैयार करें। चना और मावे के मिश्रण में चाशनी डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब तैयार मिश्रण को घी लगी थाली में डालकर फैलाएं और ठंडा होने दें। ऊपर से पिस्ता और बादाम की कतरनें छिड़कें, तैयार मिठाई को ठंडा करके चौकोर आकार में काट लें। मजेदार स्वाद की मोहन मिठाई तैयार है।

लेमन ब्लॉसम

सामग्री: बेसन-2 कप, नमक एक छोटा चम्मच, पिसी चीनी-एक छोटा चम्मच, नींबू का रस 1/2 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर 1/2 छोटा चम्मच, काली मिर्च पिसी 1/2 छोटा चम्मच, हरी मिर्च कटी हुई 2 छोटा चम्मच, तेल-तलने के लिए।

विधि: बेसन में नमक, चीनी, नींबू का रस, हल्दी पाउडर, काली मिर्च डालकर गाढ़ा, घोल तैयार कर लें। इसे कड़ाही में डालकर गाढ़ा होने तक पकाएं। गैस बंद करके ठंडा होने दें। तेल के हाथ से गोल-गोल टिक्की बनाकर तल लें। टिक्की पर पनीर, टमाटर, हरी मिर्च और सॉस डालकर सर्व करें।

कब्ज से शिशु का विकास हो सकता है बाधित

रोज़ मालिश से पाचन रहेगा ठीक

शिशु मां के दूध को आसानी से पचा लेते हैं, लेकिन जब उन्हें सेमी सॉलिड चीजें दी जाती हैं तो अक्सर उन्हें कब्ज व ब्लोटिंग की समस्या होती है। जबकि उससे पहले मां के दूध से नहीं होती थी। शिशु को कब्ज रहती है तो उसका समुचित शारिरीक विकास नहीं होता।

कब्ज एक ऐसी स्थिति है, जिसमें मल त्यागते समय बच्चे को असहनीय दर्द होता है। कब्ज की वजह से बच्चे सप्ताह में तीन बार से कम मल त्यागते हैं। जब बच्चा बड़ा होने लगता है तो संबंधित मांसपेशियां अपनी संकुचन शक्ति खो देती हैं।

ठोस खिलाने से दिक्कत

जब शिशु को ठोस खाद्य पदार्थ खिलाना शुरू किया जाता है तो पाचन तंत्र को सुचारू होने में थोड़ा समय लगता है। इसके लिए बच्चे को केला, चावल, अनाज, चीज आदि हल्की डाइट खाने को दें।

प्रोसेस्ड मिल्क भी वजह

प्रोसेस्ड मिल्क भी कब्ज की वजह होता है पानी की कमी से भी यह दिक्कत होती है। इसलिए तरल चीजें ज्यादा दें। बच्चे की उम्र के अनुसार तरल चीजें देते रहें। दूध के प्रोटीन के प्रति एलर्जी होने से भी कब्ज की समस्या हो सकती है।

दूध में मुनक्का से आराम

बेहतर पाचन के लिए सौंफ का पानी दे सकते हैं। दूध में चार-पांच मुनक्का मिलाकर पिलाने से आराम मिलता है। बच्चे के खाने का समय तय रखें। दही का प्रयोग कम करें। छाछ दे सकते हैं।

15%

बच्चे आइबीएस से पीड़ित हैं और 20 प्रतिशत बच्चे लंबे समय तक कब्ज से परेशान होते हैं। कुछ दिनों तक बच्चे में मल त्याग बंद हो जाता है।

कई बार तो हफ्तों तक बच्चों को कब्ज रहती है। पेट में दर्द एवं चिड़चिड़ापन होता है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार 10 से 15 प्रतिशत बच्चे आइबीएस (इरीटेबल बॉउल सिंड्रोम) से पीड़ित हैं। 20 प्रतिशत बच्चे लम्बे समय तक कब्ज से परेशान होते हैं। मल त्याग पूरी तरह से बंद होना इसका गंभीर लक्षण है।

नियमित मालिश करें

यदि आपका शिशु पहले ही घुटनों के बल चलने लगा है तो उसे खूब चलने दें। यदि अभी छोटा हैं तो उसे पीठ के बल लिटाकर पैरों को धीरे से साइकिल चलाने जैसे घुमाएं, जो पाचन में मदद करेगा। पेट की मालिश से भी आराम मिल सकता है।

पपीता और पका केला दें

कब्ज की शिकायत होने पर मुनक्का, नारियल पानी का प्रयोग करें। हरड़ घिस कर दे सकते हैं। इससे मल त्याग होने लगता है। यदि बच्चा एक साल से बड़ा है तो उसे त्रिफला सिरप दो-तीन बार दो-दो बूंद दे सकते हैं। पपीता, पका केला दें।

स्तनपान है ज़रूरी

स्तनपान करने वाले शिशुओं को कब्ज की समस्या कम होती है। इससे शिशु पोषण के रूप में अधिकतर दूध को अवशोषित करते हैं। छह माह से बड़े शिशुओं को फल और सब्जियों की संतुलित मात्रा दें। शुरू में उसकी गतिविधि पर भी ध्यान दें। अगर कोई बदलाव होता है तो डॉक्टर को जरूर बताएं।

लेखक द्वय

डॉ. राकेश मिश्रा,
बाल रोग विशषज्ञ,
एमजी मेडिकल
कॉलेज, भोपाल

डॉ. हरीश सिंघल,
आयुर्वेद विशेषज्ञ (बाल रोग),
डॉ. एसआरके राजस्थान
आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर

जे.के.टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड

जेकेग्राम, कांकरोली (राज.)

गणतंत्र दिवस

के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

JK TYRE & INDUSTRIES LTD.

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

माह का उत्तरार्द्ध आकस्मिक लाभ प्रदान करेगा, कार्यक्षेत्र व समाज में मान–सम्मान की प्राप्ति होगी। आर्थिक पक्ष सुदृढ रहेगा एवं आय के नये आयाम जुड़ेंगे। संतान पक्ष से सुख मिलेगा, स्वास्थ्य सामान्य, भविष्य के लिए पूंजी निवेश उत्तम रहेगा। अपने से वरिष्ठजन का मार्गदर्शन लेते रहें।

वृषभ

पूर्व नियोजित कार्य सफलतापूर्वक सम्पादित तो करेंगे, परंतु आत्मविश्वास में कमी रहेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत, घर से बाहर तक सुकून का वातावरण मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य संभव, स्वास्थ्य उत्तम, स्वयं पर ही भरोसा कर आगे बढ़ें।

मिथुन

विगत हालात में सुधार, जीवन साथी के सहयोग से ही कोई कार्ययोजना बनाएं, भाग्य साथ देगा। शेयर बाजार, सट्टे से दूर रहें। विवादास्पद स्थिति में मौन लाभदायक सिद्ध होगा। इष्ट मित्रों से मन की बात साझा करें। स्वास्थ्य उत्तम, आकस्मिक हानि के प्रति सावचेत रहें।

कर्क

शत्रु पक्ष निष्प्रभावी होगा, पुराने रोग से ग्रसित हैं तो उससे राहत मिलेगी। कार्य व्यापार में लाभ, परिवार एवं मित्रों का सहयोग, परंतु भूलकर भी किसी पर अधिक भरोसा करना दुखदायी हो सकता है। आध्यात्मिक पक्ष मजबूत व संतान पक्ष से खिन्नता।

सिंह

माह का पूर्वार्द्ध मानसिक अवसाद दे सकता है। आलस्य व प्रमोद के कारण बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। पूर्व नियोजित कार्यों को स्थगित करने में ही भलाई है। पुरानी यादें मन को भारी कर सकती हैं। अतः उन्हें भूलने का प्रयास करें। स्वास्थ्य कमजोर, संतान पक्ष में हर्षोल्लास, जीवन साथी से सहयोग मिलेगा। उसे सम्मान दें।

कन्या

वाक्पटुता व कार्यों से समाज एवं मित्रों में सम्मान की प्राप्ति, उमंग एवं उल्लास से भरपूर कोई बड़ा जोखिम उठाएंगे। व्यापार में उम्मीद से ज्यादा पूंजी लग सकती है। शेयर, सट्टा व लॉटरी से लाभ के साथ नुकसान संभव है। उतावलापन ठीक नहीं। स्वास्थ्य उत्तम समय है, लाभ उठाएं।

तुला

व्यापार एवं कार्यक्षेत्र में जोखिम उठा सकते हैं, अपने अधीनस्थ व परिवारजन से दुर्व्यवहार अथवा सख्ती नुकसान पहुंचा सकती है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। शरीर में आलस्य, पुराने मित्रों से भेंट, वाहनादि का सावधानी से प्रयोग करें।

वृश्चिक

मानसिक अवसाद के कारण दूसरों से बेवजह न उलझें, धैर्य से ही स्थितियों में सुधार होगा। राजकीय एवं न्यायिक मसले पक्ष में रहेंगे। श्रम की कमाई पर ही ध्यान दें। गलत तरीके से अर्जित आय नुकसान देगी।, खानपान में संयम बरतें। आय पक्ष माह के उत्तरार्द्ध में सुदृढ बनेगा।

माह के प्रमुख उत्सव

दिनांक	तिथि	पर्व/त्योहार
1 फरवरी	माघ अमावस्या	मौनी अमावस्या/प्रयागराज स्नान मेला
2 फरवरी	माघ शुक्ला प्रथमा/द्वितीया	वल्लभाचार्य जयंती
3 फरवरी	माघ शुक्ला तृतीया	ख्वाजा मेला (अजमेर)
5 फरवरी	माघ शुक्ला पंचमी	सरस्वती पूजन/बसंत पंचमी
7 फरवरी	माघ शुक्ला सप्तमी	देवनारायण जयंती
8 फरवरी	माघ शुक्ला अष्टमी	श्री भीमाष्टमी
12 फरवरी	माघ शुक्ला एकादशी	जया एकादशी/बेणेश्वर मेला
14 फरवरी	माघ शुक्ला त्रयोदशी	विश्वकर्मा जयंती/गुरु गोरक्ष नाथ जयंती
16 फरवरी	माघ पूर्णिमा	माघ स्नान पूर्व/रविदास जयंती/होली रोपण
19 फरवरी	फाल्गुन कृष्णा तृतीया	शिवाजी जयंती
23 फरवरी	फाल्गुन कृष्णा सप्तमी	श्रीनाथजी पाटोत्सव
26 फरवरी	फाल्गुन कृष्णा दशमी	स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती
	नवीन गृह प्रवेश मुहूर्त	
10 फरवरी	माघ शुक्ला नवमी	गुरुवार
	व्यापार आरंभ मुहूर्त	
5 फरवरी	माघ शुक्ला पंचमी	शनिवार
6 फरवरी	माघ शुक्ला षष्टी	रविवार
7 फरवरी	माघ शुक्ला सप्तमी	सोमवार
10 फरवरी	माघ शुक्ला नवमी	गुरुवार
14 फरवरी	माघ शुक्ला त्रयोदशी	सोमवार
19 फरवरी	माघ फाल्गुन कृष्णा तृतीया	शनिवार
	शुभ विवाह मुहूर्त	
5 फरवरी	माघ शुक्ला पंचमी	शनिवार
6 फरवरी	माघ शुक्ला षष्टी	रविवार
7 फरवरी	माघ शुक्ला सप्तमी	सोमवार
9 फरवरी	माघ शुक्ला अष्टमी	बुधवार
10 फरवरी	माघ शुक्ला नवमी	गुरुवार
18 फरवरी	फाल्गुन कृष्णा द्वितीया	शुक्रवार

धनु

पैतृक मामले सुलझेंगे। परिणाम आपके पक्ष में होगा। भाई–बहिनों का सहयोग मिलेगा। किसी भी नए कार्य के प्रति निष्ठा एवं समर्पण ही लाभ दिलाएंगा। संतानपक्ष से संतोष, कर्मक्षेत्र में उत्तरोत्तर वृद्धि व्यापार का विस्तार करना ठीक होगा। आय के नये स्रोत बनेंगे।

मकर

किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने का अवसर है, आकस्मिक धन लाभ के योग हैं। स्थाई संपत्ति में निवेश के साथ वृद्धि होगी। स्वभाव में तामसिकता बनते कार्य बिगाड़ सकती है, बहुत ही संभल कर चलना होगा।

कुम्भ

महत्वाकांक्षाएं सीमित रखें, घर एवं कार्यालय दोनों जगह काफी संघर्षपूर्ण स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है, अधिकारी वर्ग एवं अधीनस्थ वर्ग दोनों ही ताड़ना दे सकते हैं, धैर्य से काम लें। ऐसी सूचनाएं भी मिल सकती है जो आपको उत्तेजित करें, सट्टा, लॉटरी, शेयर बाजार से दूर रहें। जल तत्व संबंधी रोग संभव।

मीन

माह का पूर्वार्द्ध उत्तम परिणाम देगा। ऐसे वरिष्ठजन या आध्यात्मिक व्यक्तित्व से सम्पर्क संभव है जो आपके जीवन की दिशा को नया मोड़ दे। माह का उत्तरार्द्ध उधेड़बुन में बीतेगा। आय पक्ष श्रेष्ठ, कर्म क्षेत्र से भी सकारात्मक परिणाम, साझेदारी एवं जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग मिलेगा। स्थाई लाभ की योजना बनेगी।

कोरोनाकाल में डेढ़ लाख बच्चों ने अभिभावक खोए

कोरोनाकाल में करीब डेढ़ लाख बच्चों के सिर से माता या पिता का साया छिन गया। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में यह जानकारी दी है। आयोग ने बताया कि एक अप्रेल 2020 से अब तक कुल 1,47,492 बच्चों ने कोविड-19 और अन्य कारणों से अपनी माता या पिता में से किसी एक या दोनों को खो दिया है। सुप्रीम कोर्ट महामारी के दौरान अनाथ हुए बच्चों की देखभाल और सुरक्षा से जुड़े मामले की सुनवाई कर रहा है। आयोग ने बताया कि है कि राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों ने जो आंकड़े बाल स्वराज पोर्टल-कोविड केयर पर अपलोड किए हैं, उसके मुताबिक 11 जनवरी तक इतने बच्चों ने अपने अभिभावकों को गंवा दिया। अधिवक्ता स्वरूपमा चतुर्वेदी के माध्यम से दायर हलफनामे में कहा गया है कि इनमें 10,094 बच्चे पूरी तरह अनाथ हो गए, क्योंकि उनके माता-पिता में से कोई भी नहीं बचा। माता या पिता में से किसी एक को खोने वाले बच्चों की संख्या 1,36,910 रही। कुल 488 बच्चे ऐसे मिले, जिन्हें लोगों ने बेसहारा छोड़ दिया। (एजेंसी)

उम्र काफी कम

हलफनामे के मुताबिक, 26 हजार बच्चे ऐसे हैं जिनकी उम्र महज चार से सात वर्ष के बीच है।
59 हजार बच्चों की उम्र आठ से 13 साल जबकि 23 हजार बच्चों की आयु 16 से 18 साल
11,272 बच्चे परिवार के साथ, 1529 बालगृहों में रह रहे हैं।

ओडिशा में सबसे ज्यादा

ऐसे बच्चों की सबसे ज्यादा संख्या ओडिशा से है, यहां 24 हजार बच्चे अभिभावक खो चुके हैं, तमाम आश्रयगृहों में रह रहे हैं।
इसके बाद महाराष्ट्र (19,623), गुजरात (14,770), तमिलनाडु (11,014) और उत्तरप्रदेश (9,247) का स्थान है।

इसरो के नए अध्यक्ष सोमनाथ

प्रख्यात रॉकेट विज्ञानी एस. सोमनाथ ने 14 जनवरी को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के 10वें अध्यक्ष व अंतरिक्ष विभाग के नए सचिव का पदभार संभाला। के. शिवन की सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें उक्त पदों पर नियुक्त किया गया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि हमें सीमित दायरे से निकलकर बड़ा अंतरिक्ष उद्यम बनाना होगा। निजी क्षेत्र इसरो पर निर्भर रहने की बजाय अपने अंतरिक्ष कार्यक्रमों से रोजगार पैदा करें। उन्होंने कहा कि विक्रम साराभाई, सतीश धवन, प्रो. यू.आर. राव जैसी विभूतियां इसरो की स्तंभ और प्रेरणास्रोत रही हैं। हमारा प्रयास होगा कि अंतरिक्ष कार्यक्रमों की पहुंच देश के हर हिस्से तक हो। मैं सबसे पहले मौजूदा क्रियाकलापों की समीक्षा में थोड़ा समय दूंगा और यह जानने की कोशिश करूंगा कि पूरा सिस्टम किस तरह सोच रहा है। समीक्षा के बाद ही अपनी और संगठन की प्राथमिकताएं तय करूंगा। उन्होंने कहा कि के. शिवन के नेतृत्व में इसरो में अच्छा काम हुआ। जिन कारणों से मिशन लॉन्च नहीं हो पाए, उन पर ध्यान दिया जाएगा। तमाम मिशनों और परियोजनाओं के लिए हमने पहले से ही हर जगह आवश्यक बुनियादी ढांचे और मैकेनिज्म तैयार किए हैं। सभी अंशधारकों से बात कर और आगे बढ़ेंगे।

उत्तर

1. शब्द 2. रक्त 3. विषाक्त 4. नितम्ब 5. अवलम्ब 6. विलम्ब 7. कदम्ब 8. प्रतिबिम्ब 9. निबंध 10. संबंध 11. कृतघ्न 12. समाप्त 13. दीप्त 14. संदिग्ध 15. लिप्त 16. अल्प 17. दम्भ 18. सत्य 19. सुसुप्त 20. विदग्ध 21. चैतन्य 22. मान्य 23. ऊष्ण 24. परित्यक्त 25. आतिथ्य 26. शल्य 27. औदित्य 28. विघ्न 29. संकल्प 30. विकल्प।

कैसा लगा यह अंक

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे? किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें। आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

सिंध में बिखरे मोतियों को गूंथने का सौभाग्य मेवाड़ को - लक्ष्यराज

उदयपुर (प्रब्यू)। सिंधियों को देखकर हम सबको धर्म संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ खुद के जीवन को मेहनत के साथ बेहतर बनाने के लिए हर वक्त संघर्ष करते रहने की प्रेरणा मिलती है। 74 साल पहले भारत और पाकिस्तान के विभाजन के वक्त भारत के अभिन्न हिस्से सिंध प्रांत को जब पाकिस्तान में समायोजित कर दिया गया तब सिंधियों को कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। कई तरह के दबाव बनाए गए, लेकिन सिंधी किसी के भी आगे झुके नहीं। यह बात मेवाड़ राजपरिवार के लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने सर्वसिंधी समाज की प्रतिनिधि संस्था श्री झूलेलाल सेवा समिति के वस्त्र अन्नदान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कही। उन्होंने कहा कि विषय परिस्थिति में हुए पलायन में अपनों से माला के मोतियों की तरह बिखर गए, लेकिन हिम्मत नहीं हारी।

राजस्थान सिंधी अकादमी के पूर्व अध्यक्ष हरीश राजानी ने कहा कि महाराणा भूपालसिंह ने सिंधियों को उस कठिन दौर में अपनत्व के साथ मेवाड़ में बसने के

लिए भूमि दी। सिंधी समाज इसे कभी भी भूल नहीं सकता। झूलेलाल सेवा समिति अध्यक्ष प्रतापराय चुघ ने कहा कि महाराणा भूपालसिंह के सरल हृदय और अपनत्व की वजह से सिंध में बिखरा सिंधी समाज आज मेवाड़ में उठ खड़ा हुआ है। कार्यक्रम में पूज्य हिरणमगरी सिंधी पंचायत के अध्यक्ष मुरली राजानी, जवाहर नगर सिंधी पंचायत समिति अध्यक्ष उमेश नारा, सेंट्रल सिंधी युवा सेवा समिति अध्यक्ष गिरीश राजनी, महासचिव भरत खत्री, फल-सब्जी मण्डी व्यापार समिति अध्यक्ष मुकेश खिलवानी, झूलेलाल सेवा समिति महासचिव सुनील खत्री, दीपेश हेमनानी आदि भी मौजूद थे।

डॉ. आनंद गुप्ता को आईएमए अवार्ड

उदयपुर। कोरोना काल में श्रेष्ठ सेवाओं के लिए अरावली हॉस्पिटल समूह के निदेशक डॉ. आनंद गुप्ता को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. गुप्ता ने आईएमए उदयपुर अध्यक्ष के रूप में यह सम्मान ग्रहण किया। चिकित्सा विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. जुल्फिकार काजी, आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. लाखन पोसवाल आदि ने डॉ. गुप्ता को नेशनल प्रसिडेंट्स एसोसिएशन अवार्ड फॉर बेस्ट प्रेसिडेंट ऑफ लोकल ब्रांच से नवाजा।

डॉ. लुहाड़िया विशिष्ट प्रवक्ता

उदयपुर। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के चेस्ट एवं टीबी विशेषज्ञ डॉ. अतुल लुहाड़िया को अहमदाबाद में आयोजित एसोसिएशन ऑफ थोरेसिक फिजिशियन एवं सर्जन सोसायटी राष्ट्रीय सम्मेलन में उदयपुर से विशिष्ट वक्ता के रूप में चुना गया। सम्मेलन में डॉ. लुहाड़िया ने फेफड़ों की दूरबीन से ब्रोंकोस्कोपी जांच द्वारा बलगम खांसी में खून आने पर निदान और उपचार के अपने अनुभवों को साझा किया।

पुनीत की पुस्तक का विमोचन

उदयपुर। राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन की नई दिल्ली में हुई कार्यशाला में उदयपुर से सीपीओ पुनीत शर्मा की पुस्तक 'एसेंस ऑफ लाइफ डिवाइड बाय जीरो ए साइंटिफिक अप्रोच सस्टेनेबल डवलपमेंट' का विमोचन केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री मामा नातूंगा एवं इसरो के सुरेश कुमार ने किया। शर्मा ने बताया कि डिवाइड बाय जीरो प्रकृति का एक आधारभूत सिद्धात है, जिसके माध्यम से प्रकृति सीमित संसाधनों से अनंत परिणाम प्राप्त करती है।

पत्रिका कैलेंडर का विमोचन

उदयपुर। राजस्थान पत्रिका के उदयपुर डाक संस्करण के कैलेंडर का विमोचन अर्थ डायग्नोस्टिक के सीईओ एवं डायरेक्टर डॉ. अरविंदरसिंह एवं डायरेक्टर डॉ. राजेन्द्रसिंह कच्छावा ने किया। इस मौके पर पत्रिका के प्रबंधक अरुण शाह, संपादक संदीप पुरोहित, प्रिंस प्रजापत भी मौजूद थे।

अलख नयन मंदिर में हुआ सफल इलाज

दृष्टिबाधित बालक को रोशनी की सौगात

पहले

अब

उदयपुर। मात्र 10 प्रतिशत रोशनी के साथ जन्मजात केटरेक्ट के साथ पैदा हुए लसाड़िया गांव के 8 वर्षीय प्रवीण मीणा को अलख नयन मंदिर आई हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने नि:शुल्क ऑपरेशन कर रोशनी की सौगात दी। आदिवासी क्षेत्र से होने के कारण पिता नारायण के लिए पैसों का प्रबंध करना काफी मुश्किल था। उसकी मजबूरी व बालक की समस्या देख निदेशक डॉ. लक्ष्मी झाला ने प्रवीण का 50 हजार की लागत का आधुनिक फेको तकनीक से बिना चीरे वाला नि:शुल्क ऑपरेशन कर उसे जन्मजात केटरेक्ट से मुक्ति दिलाई। प्रवीण की आंखों में रोशनी से उसके परिवार का जीवन भी रोशनी से जगमगा उठा।

रॉकवुड्स को पहला स्थान

उदयपुर। एजुकेशन वर्ल्ड समूह की मेजबानी में हुए इंटरनेशनल डे स्कूल वर्ग में बेहतरीन शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियों के लिए राजस्थान तथा उदयपुर शहर में रॉकवुड्स इंटरनेशनल स्कूल को पहला स्थान हासिल हुआ है। देश के लगभग 200 अंतरराष्ट्रीय स्कूलों में से रॉकवुड्स इंटरनेशनल स्कूल को राज्य में नंबर एक के रूप में ये पुरस्कार दिया गया।

उदयपुर में फिल्म सिटी की संभावनाएं

उदयपुर। फिल्म उद्योग व्यापार संघ के तत्वाधान में संघ के चेयरमैन एवं युवा उद्यमी प्रवीण सुथार की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें विभिन्न शहरों से आए व्यवसायियों व प्रतिनिधियों ने भाग लिया। गीतकार मुकेश सागर ने यहां फिल्म जगत प्रसार की अपार संभावनाएं बताई। अनिल बैलानी, संजीव कुमार वोहरा, विजय जायसवाल, पंकज, मनीष हिंगड़, तुलसीराम लोहार, रोशन प्रजापत आदि उपस्थित थे।

तिल के दानों से युक्त सूक्ष्म पतंग

उदयपुर। मकर संक्रांति पर मिनिएचर आर्टिस्ट चन्द्रप्रकाश चित्तौड़ा ने तिल के दानों से पतंग बनाई। जिसमें बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओं का संदेश दिया गया। चॉक स्टिक से डोर लपेटने की चरखी भी बनाई। दो मिमी की कागज की पतंग पर तिल के दाने खूबसूरती से चिपकाए गए हैं। इसी तरह उन्होंने बहुरंगी मोतियों से जड़ी सूक्ष्म पतंग भी बनाई।

फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री में कौशल विकास पर सेमिनार

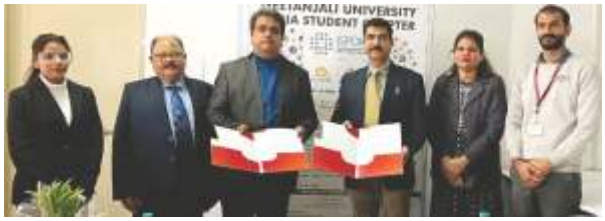

उदयपुर। गीतांजलि फार्मेसी इंस्टिट्यूट में फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री में रोजगारोन्मुखी कौशल विकास पर सेमिनार हुआ। इसमें मेड्नेक्स्ट फार्मा के प्रबंध निदेशक अनिल व्यास ने कहा कि छात्रों में रोजगारोन्मुखी कौशल व सीखने की ललक विकसित कर फार्मास्यूटिकल सेक्टर में करियर बनाया जा सकता है। इस दौरान मेड्नेक्स्ट फार्मा व गीतांजलि इंस्टिट्यूट ऑफ फॉर्मेसी के बीच छात्रों के चहुमुंखी विकास के लिए अकादमिक रिसर्च व ट्रेनिंग में साझा कार्यक्रम चलाने पर एक करार पर हस्ताक्षर भी किए गए। मेड्नेक्स्ट के रेगुलेटरी अफेयर्स के जनरल मैनेजर प्रवीण वार्ष्णेय, प्रधानाचार्य डॉ॰ महेन्द्रसिंह राठौड़, संतोष कितावत, डॉ. नरेन्द्र परिहार मौजूद थे।

डॉ. श्रीमाली को देवपुरा स्मृति सम्मान

उदयपुर। साहित्यांचल संस्था, भीलवाड़ा के एकादशी राष्ट्रीय साहित्यांचल शिखर सम्मान समारोह 2021 के अंतर्गत भगवती प्रसाद देवपुरा स्मृति हिंदी सेवी सम्मान आकाशवाणी के पूर्व कार्यक्रम निदेशक एवं प्रसंग संस्थान के संस्थापक-अध्यक्ष डॉ. इन्द्रप्रकाश श्रीमाली को दिया गया। यह सम्मान संगम विश्वविद्यालय भीलवाड़ा के वाइस चांसलर एवं शिक्षाविद् डॉ. करुणेश सक्सेना ने प्रदान करते हुए कहा कि डॉ. श्रीमाली ने विविध विधाओं में 16 पुस्तकें रचकर साहित्य जगत में उल्लेखनीय सृजन कार्य किया है।

विद्यापीठ को 'यूनिवर्सिटी ऑफ द इयर' सम्मान

उदयपुर। द अकेडमिक इनसाइट्स द्वारा 2021 का यूनिवर्सिटी ऑफ द इयर का सम्मान जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय) को प्रदान किया गया है। यह सम्मान विद्यापीठ को समाज सेवा और शैक्षणिक गतिविधियों में सराहनीय योगदान हेतु दिया गया। कुलपति प्रो. कर्नल एसएस सारंगदेवोत ने कहा कि संस्थापक जनुभाई द्वारा 1937 में स्थापित इस संस्था ने कई नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। हम सभी का सपना इस संस्था को विश्व पटल पर अपनी एक अलग पहचान दिलाने का है। डबोक परिसर में 13 करोड़ की लागत से 120 बेड वाले हॉस्पिटल का निर्माण भी किया गया है, जिससे डबोक व उसके आसपास के आमजन लाभान्वित होंगे। यूनी रैंक और आईआईआरएफ द्वारा कराए गए सर्वे में भी विद्यापीठ ने उदयपुर में पहला स्थान प्राप्त किया है। रजिस्ट्रार डॉ. हेमशंकर दाधीच ने कहा कि विद्यापीठ की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य दक्षिणी राजस्थान के श्रमजीवी और वंचित वर्ग को समुचित शिक्षा प्रदान करना है। नोडल अधिकारी डॉ. चन्द्रेश छतलानी ने बताया कि द अकेडमिक इनसाइट्स द्वारा महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों की उपलब्धियों पर प्रदान किया जाता है।

आहूजा बने ऐश्वर्या कॉलेज डायरेक्टर

उदयपुर। सुविवि के सेवानिवृत्त भौतिक शास्त्र के आचार्य प्रो. बी.एल. आहूजा ने ऐश्वर्या कॉलेज ऑफ एजुकेशन संस्थान में ग्रुप डायरेक्टर पद का कार्यभार संभाला है। ऐश्वर्या ग्रुप की चेयरमैन डॉ. सीमासिंह ने यह जानकारी दी।

मार्बल एसोसिएशन का स्नेह मिलन

उदयपुर। मार्बल एसोसिएशन के तत्वावधान में सुखेर स्थित मार्बल भवन पर नववर्ष मिलन समारोह एवं कैलेंडर विमोचन कार्यक्रम आयोजित हुआ। एसोसिएशन अध्यक्ष पंकज गांगावत ने बताया कि मुख्य अतिथि पुलिस उप अधीक्षक जितेन्द्र आंचलिया एवं सुखेर थानाधिकारी मुकेश सोनी थे। सचिव रमेश जैन ने बताया कि कार्यक्रम में एसोसिएशन संरक्षक राकेश भाणावत, महिपालसिंह रूपपुरा, पूर्व अध्यक्ष भूपेन्द्रसिंह राव, श्याम गौरी, ओम अग्रवाल, तेजेन्द्रसिंह रोबिन, उपाध्यक्ष राजेन्द्र मोर, सह सचिव पिंटू प्रजापत, कोषाध्यक्ष कुलदीप जैन, मार्बल प्रोसेसर समिति के कपिल सुराणा एवं सलाहकार सदस्य बाबूभाई चोरडिया व अभय दोशी आदि मौजूद थे।

श्री सीमेंट की समाज सेवा को सराहा

फालना (पाली)। जिला निवेश समिट में श्री सीमेंट लिमिटेड को कोविड 19 महामारी के दौरान किए गए सेवा कार्यों के लिए जिला कलेक्टर अंशदीप ने वरिष्ठ महाप्रबंधक प्रमोदकुमार जैन एवं प्रबंधक (सीएसआर) विशाल जायसवाल को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त (इंडस्ट्री एवं कॉमर्स) - श्री राजीव सिंह, ओएसडी (भूमि अधिग्रहण), रीको-श्री दलवीरसिंह, अति. महाप्रबंधक (बिजनेस), रीको - श्री कुलवीरसिंह, एमडीएम बाली-श्री अतुल प्रकाश, एसडीएम, सुमेरपुर श्री ऋषभ मंडल, महाप्रबंधक, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, पाली - श्री सैय्यद रज्जाक अली आदि उपस्थित थे। कम्पनी को मिले सम्मान पर पूर्णकालिक निदेशक पी.एन. छंगाणी ने कहा श्री सीमेंट अपने आसपास के क्षेत्रों के विकास के साथ-साथ अपने सामाजिक दायित्वों से भी भली-भांति परिचित है। श्री सीमेंट की संस्कृति में समाज सेवा बसी हुई है। जिसे श्री परिवार का प्रत्येक सदस्य निभाने हेतु प्रतिबद्ध है।

लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ से भेंट

उदयपुर। पिछले दिनों सिटी पैलेस में कस्तूरबा मातृ मंदिर के प्रतिनिधि मण्डल ने संस्था अध्यक्ष तेजसिंह बांसी के नेतृत्व में श्री लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ से भेंटकर उन्हें संस्था की सेवाओं से अवगत कराते हुए उन्हें संस्थावलोकन का निमंत्रण दिया। प्रतिनिधि मंडल में सरदार प्रीतम सिंह, संस्था सचिव डॉ. जयप्रकाश सिंह भाटी, विष्णु शर्मा हितैषी, डॉ. अंजना गुर्जर गौड़ शामिल थे। भाटी व अंजना ने उन्हें अपनी सद्य प्रकाशित पुस्तकें भी भेंट की।

प्रदेश इंटक अधिवेशन, श्रीमाली पुनः अध्यक्ष

उदयपुर। प्रदेश इंटक के पिछले दिनों संपन्न अधिवेशन में जगदीश राज श्रीमाली को पुनः प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। यह उनकी तीसरी पारी है। मुख्य अतिथि जल संसाधन मंत्री महेन्द्रजीतसिंह मालवीया थे। अध्यक्षता श्रम मंत्री सुखराम बिश्नोई ने की। विशिष्ट अतिथि सीमेंट फेडरेशन के महामंत्री देवराजसिंह एसएम अय्यर, सुरेश श्रीमाली, रमेश व्यास, नरोत्तम जोशी, भागचंद चौधरी, नारायण गुर्जर, महिला इंटक प्रदेशाध्यक्ष चंदा सुहालका, शंकर सालवी, किशन त्रिवेदी, चुन्नीलाल पंचोली, राजेन्द्र गुर्जर, ख्यालीलाल मालवीय, तुलसीदास सनाढ्य, शंकर सालवी थे। केन्द्रीय चुनाव पर्यवेक्षक देवराजसिंह ने जगदीशराज श्रीमाली को निर्वारोध अध्यक्ष निर्वाचित किया। श्रीमाली ने कहा कि आगामी दिनों में इंटक की सदस्य संख्या 11 लाख करने का लक्ष्य है।

बार एसोसिशन ने ली शपथ

उदयपुर। बार एसोसिएशन की वर्ष 2022 की कार्यकारिणी ने गत दिनों जिला अदालत परिसर में आयोजित समारोह में शपथ ली। बतौर अतिथि धर्मनारायण जोशी विधायक मावली, प्रीति शक्तावत विधायक वल्लभनगर, महापौर, गोविंदसिंह टांक, वरिष्ठ अधिवक्ता राव रतनसिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शांतिलाल चपलोत, समाजसेवी भीमसिंह चूण्डावत, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद शरीफ छीपा थे। निवर्तमान अध्यक्ष मनीष शर्मा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष गिरजा शंकर मेहता को शपथ दिलाई। मेहता ने उपाध्यक्ष दिलीप कुमार बापना, महासचिव भूपेन्द्रसिंह चूण्डावत, सचिव अजय आचार्य, वित्त सचिव डॉ. सैयद रिजवानी रिजवाना, पुस्तकालय सचिव पंकज कुमार जैन व सहवृत सदस्यों में पूरणमल जैन, यशवंतसिंह शक्तावत, रजनीश चित्तौड़ा, मोहम्मद साबिर छीपा, चुन्नीलाल डांगी, सुमित भंडारी, आशीष कोठारी को शपथ दिलवाई।

अक्षय पात्र ने बांटा राशन

उदयपुर। राज्य सरकार द्वारा अनुदानित मूक बधिर बालक छात्रावास बेदला को पिछले दिनों अक्षय पात्र फाउण्डेशन की ओर से 25 राशन किट दिए गए। इस दौरान छात्रावास स्टाफ समेत अक्षय पात्र फाउण्डेशन के वितरण अधिकारी अभिनव सेन व अभिषेक मिश्रा मौजूद थे। अभिनव सेन ने बताया सेक्टर 5 स्थित संजीवनी दिव्यांग छात्रावास समेत अन्य जरूरतमंदों को भी राशन किट दिए गए।

हिंदी सेवी भगवती प्रसाद देवपुरा स्मृति समारोह

ख्याति लब्ध साहित्यकारों का सम्मान

नाथद्वारा (प्रब्यू)। हिंदी पुरोधा-राष्ट्रभाषा सेनानी भगवती प्रसाद देवपुरा की पुण्य स्मृति के साथ साहित्य मण्डल द्वारा त्रिदिवसीय राष्ट्रीय बाल साहित्य समारोह 6, 7 व 8 जनवरी को आयोजित किया गया। समारोह में श्रीकृष्ण शरद कासगंज, प्रो. सतीश चतुर्वेदी गुना, डॉ. धर्मेन्द्र प्रतापसिंह ओरैया, डॉ. श्याम मनोहर व्यास, उदयपुर, डॉ. इन्द्रप्रकाश श्रीमाली, उदयपुर व डॉ. जयप्रकाश शाकद्विपीय, उदयपुर ने स्व. देवपुरा की दीर्घावधि हिन्दी सेवाओं पर आलेख प्रस्तुत किए तो विट्ठल पारीक जयपुर, डॉ. अंजीव रावत राया व प्रमोद सनाढ्य ने उन्हें काव्यांजलि समर्पित की। बाल साहित्य समारोह में विद्वानों ने 'बाल साहित्य सृजनः संभावनाएं एवं चुनौतियों' पर विविध कोणों से विचार प्रस्तुत किए। कांकरोली की कुसुम अग्रवाल ने बाल पत्रिकाओं के उद्भव व विकास पर शोधपरक आलेख प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ब्रज रत्न वंदना श्रीजी मथुरा थीं। समारोह में देश के विभिन्न भागों से आए साहित्य मनीषियों को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। विद्वानों का स्वागत साहित्य मंडल के अध्यक्ष नरहरि ठक्कर, मंदिर मंडल के मुख्य निष्पादन अधिकारी जितेन्द्रकुमार ओझा, श्री कृष्ण भंडार के अधिकारी सुधाकर शास्त्री व साहित्य मंडल के प्रधानमंत्री श्यामप्रकाश देवपुरा ने किया। इस भव्य आयोजन के सफल संचालन में प्रद्युम्न प्रकाश व अनिरूद्ध देवपुरा का सहयोग उल्लेखनीय रहा।

मुख्य अतिथि ब्रजरत्न वंदना श्रीजी का अभिनंदन करते हुए श्यामप्रकाश देवपुरा व श्रीमती ललिता देवपुरा।

नीलाभ राजसमंद कलक्टर, देवड़ा आबकारी आयुक्त

तारांचद उदयपुर के नए कलक्टर

उदयपुर। उदयपुर व राजसमंद में नए जिला कलक्टर ने कार्य संभाला। चित्तौड़गढ़ से तारांचद मीणा को उदयपुर में तो उदयपुर में लगे आइएएस नीलाभ सक्सेना को राजसमंद में कलक्टर लगाया है। उदयपुर कलक्टर रहे चेतना देवड़ा को आबकारी आयुक्त बनाया गया है, तो इसी पद पर लगे डॉ. जोगाराम को जयपुर में स्वायत्त शासन विभाग में शासन सचिव बनाया गया है। उदयपुर के नए कलक्टर ताराचंद मीणा मूलतः पाली के हैं और पहले डीएलबी में डायरेक्टर थे।

जिला कलेक्टर का स्वागत

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान के प्रतिनिधि मण्डल ने अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल के साथ नवागंतुक जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा व पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार चौधरी का स्वागत किया। उन्हें संस्थान के सेवा प्रकल्पों से अवगत कराते हुए संस्थान अवलोकन का आग्रह किया। जिला कलेक्टर मीणा ने संस्थान द्वारा विभिन्न जिलों में पूर्व में लगाए गए दिव्यांग सहायता शिविरों में अपनी सहभागिता का जिक्र किया। प्रतिनिधि मण्डल में विष्णु शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद गौड़ और मनीष परिहार शमिल थे।

सफलता के लिए श्रम व निष्ठा जरूरी

उदयपुर। मेवाड़ बीएससी नर्सिंग कॉलेज में मोटिवेशनल सेमिनार में मोटिवेटर रमेशचन्द्र भट्ट ने जिंदगी नहीं मिलेगी दोबारा विषय पर अपने विचारों द्वारा विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार किया। भट्ट ने बताया कि किसी भी काम की सफलता के लिए मेहनत, ईमानदारी, लगन और दृढ निश्चय का होना बहुत जरूरी है। उप प्राचार्य संदीप गर्ग ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में महबूब शेख, माधुरी शर्मा, नरेश सालवी, रत्नेश, सोनिया, नरेन्द्र पटेल एवं घेवरचंद आदि उपस्थित थे।

जतिन श्रीमाली बने सचिव

होटल एसोसिएशन

उदयपुर। होटल एसोसिएशन उदयपुर की नवगठित कार्यकारिणी की प्रथम बैठक एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरज दोषी की अध्यक्षता में हुई। जिसमें सचिव पद पर जतिन श्रीमाली, सह सचिव पद पर यशवर्धनसिंह राणावत व कोषाध्यक्ष पद पर रतन टांक के नाम का प्रस्ताव रखा गया। जिस पर पूरे सदन ने अपनी सहमति प्रदान की। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष भगवान वैष्णव द्वारा नए पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई गई। नव मनोनीत सचिव जतिन श्रीमाली ने कहा कि एसोसिएशन का उद्देश्य उदयपुर में आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधा मुहैया करवाना है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुदर्शन देव सिंह कारोही, उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, विनीत दमानी, उषा शर्मा एवं एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

आयुक्त भट्ट के कार्य को देश ने सराहा

विद्यापीठ ने समाज भूषण सम्मान प्रदान किया

उदयपुर। उदयपुर के संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट द्वारा कोविड काल में किए गए कार्य को देश भर ने सराहा है। वर्ष 2021 में जिलों में उत्कृष्ट व प्रशसंनीय कार्य करने वाले आइएएस, आइपीएस व आइएफएस अधिकारियों की सूची में राजस्थान के आइएएस राजेन्द्र भट्ट को दूसरा स्थान दिया गया है। इसमें देश के कुल 12 आइएएस, आइपीएस व आइएफएस अधिकारियों को शामिल किया गया। जिन्होंने कोविड 19 मुश्किल समय में अपनी सूझबूझ, निर्णय क्षमता, सेवा के जज्बे व कार्य से सभी को प्रभावित किया। इसमें पहले स्थान पर आइएएस डॉ. राजेन्द्र भारूद, महाराष्ट्र और तीसरे स्थान पर आइएएस डॉ. टी तरूण पुड्डूचेरी रहे। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विवि के 36वें स्थापना दिवस पर प्रतापनगर स्थित आईटी सभागार में संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट को समाज भूषण सम्मान से नवाजा गया। प्रशासनिक सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले डॉ. शिवसिंह राठौड़ को 'समाज रत्न' अलंकरण सम्मान से कुलपति प्रो. एसएस सारंगदेवोत, कुल प्रमुख बीएल गुर्जर, रजिस्ट्रार डॉ. हेमशंकर दाधीच ने शॉल, पगड़ी, उपरणा, सम्मान पत्र व स्मृति चिह्न से नवाजा।

उदयपुरः शोक समाचार

उदयपुर। श्री हरीश जी दलाल (जैन) का 22 दिसम्बर 2021 को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती सीमा देवी, पुत्र पीयूष व कुणाल दलाल, पौत्र-पौत्रियों सहित भाई-बहिनों का समृद्ध व संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती कमला देवी जी (धर्मपत्नी श्री रामचन्द्रजी मंगरूण्डिया) का 29 दिसम्बर को देहावसान हो गया। वे अपने शोकाकुल पति, पुत्र दिनेशकुमार, पुत्री हेमलता गटकणिया, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री व भाई-भतीजों सहित बड़ा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। लखावली निवासी स्व. जमनालाल जी नागदा की धर्मपत्नी श्रीमती भंवरी बाई का 30 दिसम्बर 21 को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र भगवतीलाल, चंपालाल, कन्हैयालाल, पुत्रियां खुमानी बाई, सुंदरदेवी, गीता देवी व उनका संपन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री प्रवीणकुमार जी दशोरा देलवाड़ा वाला का 14 जनवरी को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती रजनी देवी, पुत्र जयंत, पुत्री कामिनी देवी, भाई-भतीजों, पौत्र, दोहित्री सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती चेतना राजोरा धर्मपत्नी स्व. अर्जुन राजोरा का 8 जनवरी को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र हरीश, महेन्द्र राजोरा सहित पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री बंशीलाल जी बंदवाल (साहू) का निधन 31 दिसम्बर 2021 को हो गया। वे 62 वर्ष के थे। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती कंचनदेवी, पुत्र गौरव साहू, पुत्रियां लीना नैणावा, नीलू मोदी (यूएसए), पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्रियों समेत समृद्ध व संपन्न परिवार छोड़ गए है।

उदयपुर। श्री इन्द्रलाल जी चौबीसा डूंगरपुर वाले का 2 जनवरी को अम्बामाता स्कीम स्थित आवास पर निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती आशा देवी, पुत्र दीपक व निलेश, पुत्री शिल्पी सहित भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्रियों का वृहद व संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री तेजसिंह जी मेहता का 3 जनवरी को उनके निवास सर्वऋतु विलास में आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती संतोष देवी, पुत्र पंकज व दीपक मेहता, पुत्रियां श्रीमती वर्षा कोठारी, हर्षिता संचेती व पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती गीता देवी दाधीच धर्मपत्नी स्व. श्री नाथूलाल जी दाधीच का 4 जनवरी को देहांत हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र प्रेमप्रकाश, जीवन प्रकाश व तेज प्रकाश, पुत्री श्रीमती माया देवी सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती शकुंतला देवी जी चौहान धर्मपत्नी श्री ठा. शांतिसिंह जी चौहान का 7 जनवरी को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति, पुत्र हिम्मतसिंह व नरेन्द्र सिंह पुत्रियां श्रीमती देवकंवर, श्रीमती मधुबाला व श्रीमती मनोहर कुंवर सहित भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का समृद्ध व संपन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री जमनालाल जी नागदा, नांदवेल हाल निवासी निवासी तोरणबावड़ी, उदयपुर का 11 जनवरी को देहावसान हो गया। वे 95 वर्ष के थे। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पुत्र कमलाशंकर, पुष्कर व प्रेमशंकर तथा पुत्रियां श्रीमती हेमलता व श्रीमती सुंदर देवी सहित पौत्र-पौत्रियों, पड़पौत्र, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

नाथद्वारा। मिराज समूह के प्रबंध निदेशक श्री मदनलाल पालीवाल की माताश्री श्रीमती भागवती देवीजी का 7 जनवरी को देवलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे शोक विह्वल पुत्र शंकरलाल, पुत्रवधु मोहिनी देवी (स्व. नंदकिशोरजी), मदन पालीवाल, पुत्रियां तारादेवी व राधादेवी सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का समृद्ध परिवार छोड़ गई है। उनके निधन पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, विधान सभाध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी, जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल, एसडीएम, अभिषेक गोयल, विप्र फाउण्डेशन के अध्यक्ष के.के. शर्मा, नरेन्द्र पालीवाल, विधायक दीप्ति माहेश्वरी, सांसद दीयाकुमारी, डॉ. गिरिजा व्यास ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

उदयपुर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व प्रधान बड़गांव श्री किशन जी त्रिवेदी का 9 जनवरी को निधन हो गया। वे सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष व प्रदेश कांग्रेस सचिव भी रहे। उनके निधन पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, डॉ. गिरिजा व्यास, रघुवीरसिंह मीणा, रामलाल जाट, लालसिंह झाला, महेन्द्रजीत सिंह मालवीय, गोपाल कृष्ण शर्मा, दिनेश श्रीमाली, रविन्द्र श्रीमाली, पारस सिंघवी, पंकज शर्मा, विष्णु शर्मा हितैषी, त्रिलोक पूर्बिया, सुरेश श्रीमाली आदि ने गहरा शोक प्रकट किया। वे अपने पीछे पुत्र हरीश व नरेश त्रिवेदी, पुत्री हेमलता, भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों सहित संपन्न व समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

JK Cement LTD.
JK SUPER CEMENT BUILD SAFE
JK SUPER STRONG BUILD SAFE Weather Shield
JK Super Cement
Salutes the Nation
26 January
HAPPY REPUBLIC DAY
JK SUPER CEMENT
Weather Shield
JK SUPER STRONG
Weather Shield

With Best Compliments
ASTRAL PIPES
ASTRAL CPVC
INDIA KA SABSE
BHAROSEMAND
PIPE

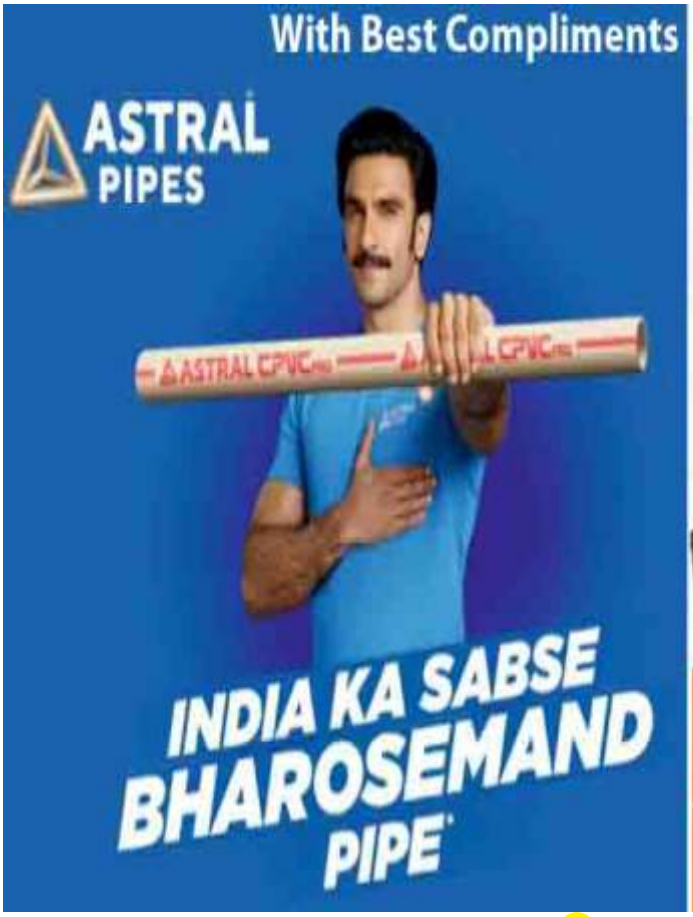

bathsense
asianpaints
Self Cleaning Showers
Authorised Distributor
JUPITER AGENCIES OF INDIA
Since Last 30 Years
Shobhagpura 100 Ft. Road, Udaipur
jupiterj@rediffmail.com 9414235326

डॉ. चौधरी हॉस्पिटल, उदयपुर

मल्टी व सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल

आपका स्वास्थ्य,
हमारी जिम्मेदारी

NABH

डायलिसिस • आई.सी.यू व क्रिटिकल केयर • 24 x7 सीटी स्कैन • लेबोरेटरी • एक्स-रे • 3 डी व 4 डी सोनोग्राफी
मेडिसिन • न्यूरोलॉजी • गैस्ट्रोएंटरोलॉजी • सामान्य और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी • शिशु शल्य चिकित्सा • अस्थि रोग • प्रसूति एवं स्त्री रोग
चर्म एवं रति रोग • यूरोलॉजी • शिशु रोग • नेफ्रोलॉजी • कैंसर रोग • न्यूरोसर्जरी • दंत चिकित्सा • नाक, कान, गला • साइकोलॉजी

9413317766
0294-2465566
www.chaudharyhospital.in

राज्य कर्मचारियों के इलाज हेतु अधिकृत
RGHS (cashless) की सुविधा उपलब्ध

Medi Claim & Corporate Tie Ups

BSNL · RAJRAS · Apollo Munich · BAJAJ Allianz · HDFC ERGO HEALTH · VIDAL HEALTH · RELIGARE · STAR · MAX

DR. CHAUDHARY HOSPITAL, 473, Sector 4 , Hiran Magri, Udaipur

ABS
CONSTRUCTIONS
A B S
CONSTRUCTIONS
G-9 Shree Niketan, 380, Ashok Nagar, Udaipur - 313 001
Phone: 0294-2411812, Mobile: 99508-11111, E-mail: abs1.udaipur@gmail.com
GST: 08ABBFA5432G1ZR

Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth (Deemed-To-Be University)
जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड–टू–बी विश्वविद्यालय)

1937

सरस्वती देवयन्ते हवन्ते

GRADE 'A' ACCREDITED BY NAAC

Pratap Nagar, Udaipur – 313001 (Raj.) Ph. & Fax : 0294-2492440, Email: admissions@jrnrvu.edu.in

समस्त पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) से मान्यता प्राप्त

ADMISSIONS OPEN - 2021-22

Faculty of Science - Ph. 9461179656, 9461109371

B.Sc. (Physics, Mathematics, Chemistry, Statistics, Computer Science, Botany, Zoology, Biotechnology)
M.Sc. Chemistry (Inorganic, Organic, Physical, Industrial)
M.Sc. : Mathematics, Physics, Botany, Zoology, Environmental Science. Statistics, Bioinformatics, Biotechnology.
M.Tech. Biotechnology. Ph.D.

Faculty of Computer Science and Information Technology
Ph. 2494227, 2494217, 9414737125

B.C.A., M.C.A., M.Sc.(CS), B.Sc. in Data Science, M.Tech CS, P.G.D.C.A., B.Voc in Software Development, DCA (Diploma in Computer Applications), Ph.D.

Manikyalal Verma Shramjeevi College

Faculty of Social Sciences and Humanities : Ph. : 0294-2413029, 9829160606, 9413752492

B.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology. Geography. Economics. Political Science, Public Administration, Environmental Science, Jyotish, Music.
M.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics. Political Science, Music. **Diploma Courses** : Diploma in Music (Surmalhar), Diploma in Panchgavya, P.G. Diploma in G.I.S. and Remote Sensing, Bachelor of Journalism and Mass Communication. **Certificate Courses** : Spoken English, Proficiency in English and Communication Skills, Culture of Rajasthan, Research Methods and Data Analyst, Human Rights, Ph.D.

Faculty of Commerce : Ph. : 0294-2413029, 9460275655, 9460372183

B.Com., B.B.A., M.Com, (Accounting, Business Administration), Master of NGO Management, PG Diploma in Training and Development Certificate Courses: Plastic Processing and Manufacturing Skills, Tally ERP 9.0, Goods and Service Tax (GST), Ph.D.

Manikyalal Verma Shramjeevi Girls College, Pratapnagar, Udaipur, Mob. : 9928456341, 9413972286

B.A., B.Com, B.Sc. , M.A. (Geography), Regular Special Classes for Competitive Exams

Department of Physiotherapy - Ph. : 0294-2656271, 9414234293

Bachelor of Physiotherapy (B.P.T.). Master of Physiotherapy (M.P.T.). Master of Hospital Management. Fellowship in Palliative Care and Oncology Rehabilitation, Fellowship in Neurological Rehabilitation, MBA in Health Care Management. Fellowship in Geriatric Care and Rehabilitation, Ph.D

School of Agricultural Sciences, Dabok - 9460728763

B.Sc. Agriculture (Hons.), B.Sc. Horticulture (Agriculture), B.Tech. Food Technology (30 Seats), M.Sc. (Ag.) Agronomy, M.Sc. (Ag.) Horticulture, M.Sc. (Ag.) Extension Education

R.V. Homeopathic Medical College and Hospital, Dabok
Ph. : 0294-2655974, 2655975, 9414156701, 9351343740

Bachelor of Homoeopathic Medicine and Surgery (BHMS),
MD (Hom.) Medicine / Pediatrics, B.A.M.S., Diploma in Homoeopathic Pharmacy (DHP), Ph.D.

Department of Travel, Tourism & Hospitality
Faculty of Management Studies - 9950489333

BBA (Tourism & Travel) Specialisation in Hospitality.
Diploma in Hotel Management (Food & Beverage Service)
Diploma in Hotel Management (Housekeeping)
Diploma in Hotel Management (Food Production).

Manikyalal Verma Shramjeevi Girls College, Dabok
Ph. : 0294-2655327, 9460856658, 9694881447, 9079919960

B.A., B.Com., B.Sc., M.A. (English, Hindi, Sanskrit, Pol. Sc., History. Geography, Sociology, Economics).
M.Com (Accountancy)
Special Classes for English Speaking and Computer Basics.

<u>Note</u> : For more information about the admission in various courses like minimum percentage, fee structure etc. please go through our website : www.jrnrvu.edu.in, respective prospectus or contact concerned department

REGISTRAR

SHIVA // 9828244344